मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 107
मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अरुणांचल सीमा से 40 किमी दूर चीन ने बनाया बड़ा एयरबेस

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। चीन ने तिब्बत के ल्हुंजे एयरबेस पर 36 नए हार्डन एयरक्राफ्ट शेल्टर, नए प्रशासनिक भवन और एक बड़ा एप्रन (विमान पार्किंग क्षेत्र) तैयार किया है। यह एयरबेस मैकमॉन रेखा से 40 किमी और अरुणाचल प्रदेश के तवांग से लगभग 107 किमी दूर है। इस निर्माण के बाद चीन अब अपने लड़ाकू विमान और ड्रोन सिस्टम इस इलाके में तेजी से तैनात कर सकता है, जिससे भारतीय वायुसेना को किसी भी हवाई खतरे पर प्रतिक्रिया देने का समय कम मिलेगा।

पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने एनडीटीवी से कहा, ₹ल्हुंजे में 36 हार्डन शेल्टर बनाना दिखाता है कि भविष्य में वहां चीन अपने टैक्निकल फाइटर जेट और अटैक हेलिकॉप्टर तैनात करेगा। गोला-बारूद और ईंधन पहले से ही भूमिगत सुरंगों में रखा जा चुका होगा।

उन्होंने कहा, डोकलाम विवाद के समय मैंने कहा था कि जब चीन तिब्बत के एयरफील्ड्स पर हार्डन शेल्टर बनाना शुरू करेगा, तब वह भारत के खिलाफ युद्ध की तैयारी करेगा। अब उनकी बड़ी कमजोरी खत्म हो रही है। पूर्व वायुसेना उपप्रमुख एयर मार्शल अनिल खोसला ने कहा कि ल्हुंजे और अन्य एयरबेस के विस्तार से चीन की भविष्य की युद्ध योजनाओं को बल मिलेगा। उन्होंने इसे भारत के लिए गंभीर रणनीतिक खतरा बताया। उनके अनुसार, इन 36 हार्डन शेल्टर से चीन अपने विमानों को हमलों से बचा सकता है और ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार ऑपरेशन कर सकता है। ये शेल्टर भारतीय मिसाइल या एयरस्ट्राइक के असर को कम करते हैं। उन्होंने बताया कि ल्हुंजे, टिंगरी और बुरांग जैसे एयरबेस LAC से 5-150 किमी की दूरी पर हैं, जिससे चीन जल्दी प्रतिक्रिया दे सकता है और भारत के अरुणाचल, सिक्किम, उत्तराखंड और लद्दाख क्षेत्रों को कवर कर सकता है। नई सैटेलाइट तस्वीरों में ल्हुंजे एयरबेस पर CH-4 ड्रोन दिखे हैं। यह ड्रोन 16 हजार फीट से मिसाइल दाग सकता है और ऊंचाई वाले मिशनों के लिए बनाया गया है। भारत को इसका जवाब 2029 में मिलेगा, जब अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स के 'स्काई गार्जियन ड्रोन' भारतीय वायुसेना और थलसेना में शामिल होंगे। दोनों सेनाओं को 8-8 ड्रोन मिलेंगे, जबकि नौसेना को पहले से ही 15 सी गार्जियन ड्रोन मिल रहे हैं। यह 3.5 अरब डॉलर की डील का हिस्सा है। पूर्व वायुसेना उपप्रमुख एयर मार्शल एसपी धर्कर ने कहा, पहले हमें भूगोल और ऊंचाई के कारण कुछ फायदा था, लेकिन अब चीन के नए एयरफील्ड और आधुनिक प्लेटफॉर्म उस बढ़त को घटा रहे हैं। हार्डन शेल्टर और बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर वाली सुविधाएं हमारे लिए नई चुनौती हैं। जियो-इंटेलिजेंस विशेषज्ञ डेमियन साइमोन ने बताया कि तवांग सेक्टर के सामने ल्हुंजे में इस तेज निर्माण से चीन का हवाई शक्ति बढ़ाने का इरादा साफ है। उन्होंने कहा, हालांकि भारत की अपनी हवाई सुविधाएं मजबूत हैं, लेकिन ल्हुंजे का विस्तार दिखाता है कि बीजिंग उस अंतर को कम करना चाहता है। यह निर्माण चीन के उन छह एयरबेस अपग्रेड का हिस्सा है जो भारत की सीमा के पास बनाए जा रहे हैं, जिनमें टिंगरी, ल्हुंजे, बुरांग, यूटियन और यारकंद शामिल हैं। भारतीय वायुसेना ने कहा है कि उसने इन सभी गतिविधियों का संज्ञान लिया है और अपने स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां की हैं। हालांकि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों में तनाव रहा, लेकिन अब रिश्तों में सुधार की कोशिश जारी है। अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों ने व्यापार, दुर्लभ खनिजों में सहयोग और सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने पर चर्चा की।

मुहम्मद यूनुस ने पाक जनरल को गिफ्ट किया किताब, नक्शे में भारत के हिस्से दिखाने का आरोप

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस द्वारा पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी के जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को दी गई एक कॉफी टेबल बुक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यह किताब बतौर तोहफा दी गई थी, लेकिन इसके कवर पर बना चित्र एक नक्शे जैसा दिख रहा है, जिसमें भारत के कुछ हिस्से बांग्लादेश के रूप में दिखाए गए हैं। कई बांग्लादेशी सोशल मीडिया हैंडल्स ने दावा किया है कि यह नक्शा नहीं, बल्कि बांग्लादेश के झंडे की एक कलात्मक पेंटिंग है। हालांकि, इस पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह मुलाकात ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस 'जमुना' में हुई थी, जहां दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यह पहला मौका नहीं है जब बांग्लादेश के किसी अधिकारी या प्रतिनिधि द्वारा ऐसा विवाद खड़ा हुआ है। दिसंबर 2024 में भारत ने ढाका के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया था, जब अंतरिम सरकार के एक सलाहकार महफूज आलम ने फेसबुक पर ऐसा नक्शा शेयर किया था जिसमें पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने उस समय इस पोस्ट को अस्वीकार्य और गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा था कि सभी को अपने सार्वजनिक बयानों में साधानी रखनी चाहिए।

इससे पहले, मुहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को लैंडलॉक्ड बताते हुए चीन को विस्तार का न्योता दिया था। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश 'गार्जियन ऑफ द ओशन' बन सकता है। हालांकि, भारत ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। बाद में पीएम मोदी ने बैंकॉक में इक्टरळएउ शिखर सम्मेलन के दौरान यूनुस से मुलाकात में उन्हें सलाह दी थी कि ऐसे बयान न दें जो माहौल खराब करें।

राजद की बड़ी कार्रवाई, वोटिंग से ठीक पहले 27 नेताओं को पार्टी से निकाला

पटना, 27 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। जैसे-जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। बागी नेताओं पर भी एक्शन शुरू हो गया है। बीजेपी और जेडीयू के बाद अब लालू प्रसाद यादव की राजद में भी बड़ा एक्शन देखने को मिला है। 27 अक्टूबर को जारी एक पत्र के अनुसार, राजद ने 27 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इस लिस्ट में कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं। पार्टी ने बयान जारी कर कहा है कि जिन 27 नेताओं को पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासित किया गया है, वह सभी राजद के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनावी अभियान में संलिप्त हैं। कुछ उम्मीदवार निर्दलीय भी चुनावी मैदान में उतरे हैं। यही वजह है कि राजद ने इनपर एक्शन लिया है। राजद ने परसा से सीटिंग विधायक छोटे लाल राय को पार्टी से निकाल दिया है। इनके अलावा, परिहार से रितू जायसवाल, कटिहार से पूर्व विधायक राम प्रकाश महतो, मुजफ्फरपुर से पूर्व विधायक अनिल सहनी, बड़हरा से पूर्व विधायक सरोज यादव, मुजफ्फरपुर से पूर्व विधान पार्षद गणेश भारती को पार्टी से निकाल बाहर किया है। लिस्ट में गोविंदपुर से विधायक मो. कामरान, नरपतगंज से पूर्व विधायक अनिल यादव, चिरैया से पूर्व प्रत्याशी अक्षय लाल यादव, चेरिया बरियारपुर से जिला प्रधान महासचिव राम रखा महतो, भागलपुर से राज्य परिषद सदस्य अवनिश कुमार, शेरघाटी से भगत यादव, संदेश से मुकेश यादव, वैशाली से जिला प्रधान महासचिव संजय राय का नाम भी शामिल है। राजद ने दरभंगा से अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष कुमार गौरव, दरभंगा जिला महासचिव राजीव कुशवाहा, जाल से महेश प्रसाद गुप्ता, जाले से वकील प्रसाद यादव, मोतिहारी से पुनम देवी गुप्ता, मोतिहारी से किसान प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष सुबोध यादव, सेनपुर (सारण) से प्रदेश महासचिव सुरेन्द्र प्रसाद यादव को भी पार्टी से बाहर कर दिया है। जगदीशपुर से निरज राय, वैशाली से प्रदेश महासचिव अनिल चन्द्र कुशवाहा, भागलपुर से जिला प्रवक्ता अजीत यादव, भागलपुर से मोती यादव, पूर्व चंपारण से चिरैया प्रखंड अध्यक्ष रामनरेश पासवान और पताही प्रखंड अध्यक्ष अशोक चौहान पर भी गाज गिरी है।

योगी आदित्यनाथ ने की मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम करने की घोषणा

लखनऊ, 27 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद में विश्व कल्याण आश्रम में आयोजित स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025 में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम करने की घोषणा की और पूज्य संतों को नमन करते हुए डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण पर काम कर रही है, जबकि पहले यह पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में खर्च होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया था, जिसे उनकी सरकार ने ठीक किया। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, ₹यह सब सेक्युलरिज्म के नाम पर किया जाता था, जो पाखंड है।₹ योगी ने संत कबीरदास की वाणी का उल्लेख करते हुए कहा, जाति पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई, यह वाणी समाज की एकता और अखंडता की आधारशिला है। कबीर ने निर्गुण भक्ति की धारा प्रवाहित कर समाज की विसंगतियों को तोड़ा और आत्मा-परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने गुरु के महत्व को रेखांकित करते हुए कबीर का दोहा उद्धृत किया, गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूं पांव यह आज भी हमें गुरु की महत्ता याद दिलाता है। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि समाज विरोधी ताकतें आस्था और जाति के नाम पर देश को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, समय रहते कमजोरियों को न पहचाना गया, तो यह बीमारियां कैंसर बनकर समाज को खोखला कर देंगी। राष्ट्रभक्ति ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने जोर देकर कहा, ₹माता भूमि पुत्रोहम यह भूमि केवल मिट्टी नहीं, हमारी मातृभूमि और पितृभूमि है। इसकी सेवा ही सच्ची उपासना है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार, आतंकवाद और विभाजनकारी राजनीति के संकट से जूझ रहा था। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने जा रहा है।

छठ अर्घ्य से पहले भागलपुर में बड़ा हादसा, 4 बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

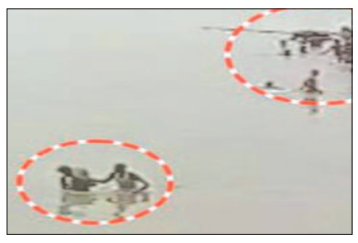

पटना, 27 अक्टूबर। छठ पूजा की तैयारी के बीच भागलपुर जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां सोमवार सुबह चार बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गई। सभी बच्चे छठ घाट बनाने के बाद स्नान करने गए थे, तभी यह हादसा हो गया। इस हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दरअसल, घटना नवगछिया अनुमंडल के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव की है। बताया जा रहा है कि छठ घाट तैयार करने के बाद सभी बच्चे नदी में नहाने लगे। इसी दौरान एक बच्चा गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने की कोशिश में बाकी तीन बच्चे भी गहराई में चले गए और सभी की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर इस्माइलपुर थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से बच्चों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया और इस्माइलपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। सभी बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृत बच्चों की पहचान नवटोलिया निवासी प्रिंस कुमार (10 वर्ष), पिता मिथिलेश कुमार एवं नंदन कुमार (10 वर्ष) पिता किशोरी मंडल के रूप में हुई है। अन्य दो बच्चों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

भारत-अमेरिका के बीच बड़ी डील? जयशंकर और रुबियो ने सुलझा लिया टैरिफ का मामला

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी मुद्दों को सुलझाने को लेकर चल रही वार्ता के अहम चरण में पहुंचने के संकेत हैं। भारत भी अमेरिका के साथ शीघ्र समझौता कर शुल्क विवाद का पटाक्षेप करने को उत्सुक है। एक वजह पिछले दो दिनों के भीतर अमेरिका का एक साथ भारतीय निर्यात के लिए सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्द्धी देशों मलेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया व विएतनाम के साथ किया गया समझौता भी है। इस बीच सोमवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच मलेशिया में चल रही आसियान सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई है। इसमें द्विपक्षीय हितों से जुड़े सभी मुद्दों पात बात होने के बारे में जानकारी दी गई है।

यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 50 फीसद का शुल्क लगाने के बाद जयशंकर और रूबियो के बीच यह पहली मुलाकात है। दोनों तरफ से इस मुलाकात को सकारात्मक बताया गया है।

जयशंकर और रूबियो की इस मुलाकात कारोबारी मुद्दों को लेकर दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के बीच हुई तीन दिनों तक चली बैठक के कुछ ही दिनों बाद हुई है। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के बीच हुई वार्ता के बाद अमेरिका का रुख बदला हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम करनी शुरू कर दी है। भारत की तरफ से भी इस बात को परोक्ष तौर पर स्वीकार किया गया है। भारतीय अधिकारियों ने भी संकेत दिए हैं कि अमेरिका के साथ कारोबारी समझौते को अंतिम रूप देने में अब ज्यादा विलंब करना ठीक नहीं होगा।

पिछले दो दिनों के भीतर मलेशिया में आसियान बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी सरकार ने विएतनाम, मलेशिया, कंबोडिया और थाइलैंड के साथ कारोबारी समझौते पर हस्ताक्षर किया है। ये सारे देश वैश्विक कारोबार में भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्द्धी देश हैं। भारतीय उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है और वहां उक्त चारों देशों के उत्पादों के साथ भारतीय निर्यातकों को कड़ी प्रतिस्पर्धता करनी पड़ती है। समझौता होने के बाद इन सभी देशों को अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों को बेचने के लिए भारत से काफी कम शुल्क देना पड़ेगा। अमेरिका ने भारतीय आयात पर 50 फीसद का शुल्क लगाया हुआ है। ऐसे में जितनी देरी होगी, भारतीय निर्यातकों को उतना ही नुकसान उठाना पड़ सकता है। रुबियो से मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा है कि आज सुबह विदेश सचिव रुबियो से मुलाकात हुई। हमने द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात की।

मदन हरी मलसम वन इंडिया अवॉर्ड 2025 से सम्मानित

मुंबई, 27 अक्टूबर । माय होम इंडिया की ओर से दिया जाने वाला वन इंडिया अवॉर्ड इस वर्ष त्रिपुरा राज्य के जनजातीय क्षेत्रों में कार्य करने वाले श्री मदन हरी मलसम को प्रह्लाद जोशी के हाथों प्रदान किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, माय होम इंडिया के संस्थापक सुनील देवधर, जनकल्याण समिति महाराष्ट्र के अध्यक्ष अजीत मराठे, और उद्योजक रेंद्र पोद्दार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूर्वोत्तर भारत से मुंबई, पुणे और बेंगलुरु में शिक्षा तथा रोजगार के लिए आने वाले युवाओं और विद्यार्थियों को आत्मीयता और अपनत्व का भाव देकर राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने का कार्य करना चाहिए, ऐसा आवाहन केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीनीकरण ऊर्जा मंत्री, प्रह्लाद जोशी ने किया। प्रह्लाद जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मोदी के नेतृत्व मे सरकार ने ईशान्य भारत की सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास कर देश की सीमाओं को अधिक सुरक्षित बनाया है। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत विविधता से परिपूर्ण क्षेत्र है। कला, लोककला, खानझपान संस्कृति और वाद्य परंपरा जैसी अनेक विशेषताओं से यह प्रदेश समृद्ध है। अब इस क्षेत्र में विकास की गंगा तीव्र गति से प्रवाहित हो रही है। हवाई सेवा, रेल और सड़क जैसी सभी प्रकार की कनेक्टिविटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई हैं।

स्मार्ट सिटी पहल के तहत पुदुच्चेरी में 25 ओलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक बसें यात्रियों की सेवा में शामिल

पुदुच्चेरी, 27 अक्टूबर। हरित परिवहन को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत, पुदुच्चेरी रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (PRTC) ने ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड द्वारा निर्मित 25 इलेक्ट्रिक बसों को सार्वजनिक सेवा में शामिल किया है। इन बसों का उद्घाटन माननीय उपराज्यपाल के. कैलासनाथन, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और सभापति आर. सेल्वम की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस बेड़े में 15 नॉन-एसी और 10 एसी बसें शामिल हैं। प्रत्येक बस 9 मीटर लंबी है और एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकती है। ये बसें शून्य उत्सर्जन, शोर-रहित संचालन और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करती हैं। बसों का संचालन और रखरखाव ईवी ट्रांस प्रा. लि. (MEIL समूह) द्वारा किया जाएगा, और यह सेवा 12 वर्षों के ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (GCC) के अंतर्गत संचालित होगी।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

-ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अजरबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अजरबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है।

साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट ऐशियन नेशनस -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में भारत को क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि ह्लसुरक्षाह्व अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

राष्ट्र की नींव में समर्पण का सरदार

-सुरेश गांधी

वह समय था जब भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा था, और हर दिशा में निराशा का कुहासा फैला हुआ था। तभी गुजरात की धरती पर एक बालक जन्म लेता है, जो आगे चलकर राष्ट्र की एकता का प्रतीक बनता है। वही बालक था वल्लभभाई झवेरभाई पटेल, जिसे आज दुनिया लौह पुरुष के नाम से जानती है। गुजरात के नडियाद में 31 अक्तूबर 1875 को एक कुर्मी किसान परिवार में जन्मे पटेल के भीतर साहस जैसे स्वभाव में रचा-बसा था। उनके पिता 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही रहे, और माँ की श्रद्धा ने उनमें देशप्रेम के बीज बो दिए। बचपन में ही वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने लगे। स्कूल में जब अध्यापक छात्रों को अपनी पुस्तकें खरीदने पर विवश करते थे, तो वल्लभभाई ने विद्यार्थियों को संगठित कर विरोध किया, और शिक्षक को झुकना पड़ा। यह बाल आंदोलन एक संकेत था कि यह बालक भविष्य में सत्ता के अन्याय के विरुद्ध भी अडिग रहेगा। इंग्लैंड में पढ़ाई के दिनों में वे दिनभर पुस्तकालय में डूबे रहते, कई-कई बार 17 घंटे तक। लौटकर जब वे वकालत करने लगे तो ब्रिटिश सरकार ने उन्हें उच्च पद का प्रस्ताव दिया, किंतु उन्होंने ठुकरा दिया, क्योंकि वह जानते थे कि विदेशी सत्ता का हिस्सा बनना अपने देश से विश्वासघात है। महात्मा गांधी के सान्निध्य ने उनकी दिशा बदल दी। 1918 के खेड़ा सत्याग्रह में उन्होंने किसानों को कर न देने के लिए प्रेरित किया, और अंग्रेजी सरकार को झुकना पड़ा। वहीं से उनका जननेता के रूप में उदय हुआ। बाद में बारदोली सत्याग्रह में महिलाओं ने उन्हें स्नेह से पुकारा, सरदार, और यह संबोधन उनके जीवन का स्थायी अलंकरण बन गया

भारत के इतिहास में यदि किसी व्यक्ति ने अखंडता, दृढ़ता और राष्ट्रनिर्माण के शिलालेख पर अपना नाम अमिट अक्षरों में अंकित किया है, तो वह हैं सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत के आयरन मैन, लौह पुरुष, और राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार। उन्होंने न केवल अपनी चट्टान जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति, राजनीतिक विद्वता व कठोर परिश्रम से भारत के राजनैतिक एकीकरण का अद्भुत कार्य किया, बल्कि प्रशासनिक ढांचे को ऐसा स्वरूप दिया, जो आज भी लोकतांत्रिक शासन की रीढ़ है। आजादी के बाद जब भारत सैकड़ों रियासतों में बंटा था, तो उसी सरदार ने अपनी लौह इच्छाशक्ति से उन्हें एक सूत्र में पिरो दिया। 562 रियासतों का भारत में विलय कर उन्होंने इस राष्ट्र की आत्मा को एक देह दी। यह केवल राजनीति नहीं, एक तपस्वी की तपस्या थी, जहां शक्ति और नीति दोनों ने हाथ मिलाया। गृहमंत्री के रूप में उन्होंने आई.सी.एस. को भारतीय रूप देकर आई.ए.एस. बनाया और कहा, नौकरशाही को राजभक्ति नहीं, देशभक्ति सिखानी होगी। प्रधानमंत्री पद पर उनका सर्वसम्मति से चयन हुआ था, पर गांधीजी की इच्छा पर उन्होंने सहज भाव से नेहरू का नाम स्वीकार कर लिया। यह त्याग नहीं, बल्कि राष्ट्र सर्वोपरि भावना का उदाहरण था। सरदार पटेल ने अपने कर्म से बताया कि देशभक्ति भाषणों में नहीं, निर्णायक कर्म में होती है। उनके जाने के बाद भी उनका विचार जीवित है, भारत एक ध्वज, एक संविधान और एक राष्ट्र के रूप में रहेगा। आज जब हम ह्लएक भारत, श्रेष्ठ भारत का नारा दोहराते हैं, तो वह दरअसल उसी लौह पुरुष की प्रतिध्वनि है, जिसने अपने संकल्प से बिखरे भारत को एक कर दिया। उनकी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल मूर्ति नहीं, बल्कि एक चेतना है, जो हर भारतीय को यह स्मरण कराती है कि यदि इरादे अटूट हों, तो इतिहास झुकता है।

किसान पुत्र से लौह पुरुष बनने की यात्रा

31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में एक कुर्मी परिवार में जन्मे वल्लभभाई पटेल के पिता झवेरभाई पटेल 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा थे। वीरता, परिश्रम और सादगी उनके संस्कार में जन्म से ही थे। बचपन से ही अन्याय और असत्य के प्रति उनमें बेचैनी थी। नडियाद के विद्यालय में ही उन्होंने अन्याय के विरुद्ध पहला आंदोलन किया, जब एक शिक्षक छात्रों पर अपनी पुस्तकों को खरीदने का दबाव डालते थे, तो उन्होंने छात्रों को संगठित कर विरोध किया। विद्यालय कई दिनों तक बंद रहा और अंततः शिक्षक को झुकना पड़ा। बालक वल्लभभाई ने तभी बता दिया था कि वे किसी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाने वाले हैं।

अद्भुत संयम और दृढ़ता

वल्लभभाई की दृढ़ता का उदाहरण उनके जीवन के हर मोड़ पर मिलता है। वकालत के दौरान एक बार जब अदालत में जिरह करते हुए उन्हें अपनी पत्नी झवेरबाई के निधन का तार मिला, तब भी उन्होंने मुकदमा पूरा किया और फिर शांत भाव से अपने जीवन के सबसे बड़े दुःख को स्वीकार किया। यह उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा का चरम उदाहरण था।

17 घंटे पढ़ने वाला विद्यार्थी

विदेश में अध्ययन के दौरान वे दिन में 17 घंटे तक पुस्तकालय में अध्ययन करते। इस परिश्रम का फल उन्हें तब मिला जब उन्होंने वकालत की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और ब्रिटिश अध्यापकों ने उन्हें असाधारण मेधा का छात्र कहा। इंग्लैंड में रहकर भी उन्होंने कभी अपने देश और उसकी पीड़ा को नहीं भुलाया।

अहिंसक योद्धा का उदय

भारत लौटने के बाद उनका संपर्क महात्मा गांधी से हुआ। गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों ने पटेल के भीतर छिपे राष्ट्रसेवक को जागृत किया। 1918 का खेड़ा सत्याग्रह उनके सार्वजनिक जीवन की पहली बड़ी परीक्षा थी। भयंकर सूखे से त्रस्त किसानों ने कर माफी की मांग की थी, पर अंग्रेज सरकार ने इंकार कर दिया। तब पटेल ने किसानों से कहा, कर मत दो, यह अन्याय है। जब तक राहत नहीं मिलेगी, तुम कर नहीं दोगे। उनकी यह पुकार आंदोलन बन गई और अंततः ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा। यह पटेल की पहली बड़ी विजय थी, जिसने उन्हें जनता के बीच सरदार बना दिया।

बारदोली से सरदार बनने तक

1928 का बारदोली सत्याग्रह उनके नेतृत्व का दूसरा नाम बन गया। जब अंग्रेजों ने किसानों पर कर बढ़ाने की नीति थोपी, तो पटेल ने जनसंगठन की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दी। वहां की महिलाओं ने उन्हें संबोधित किया, ह्लसरदार, आप हमारे प्रहरी हैं।ह्व यही संबोधन आगे चलकर उनके नाम के साथ स्थायी हो गया, सरदार पटेल। खेड़ा और बारदोली सत्याग्रहों ने पटेल को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित कर दिया। वे गांधीजी के निकटतम सहयोगियों में शामिल हो गए। असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन, हर संघर्ष में पटेल अग्रिम पंक्ति में रहे। 1931 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने और गांधी-इरविन समझौते की प्रक्रिया में उनका निर्णायक योगदान रहा। अंग्रेजी कारावास की दीवारें भी उनके इरादों को नहीं झुका सकीं। उनकी आवाज किसान की थी, पर दृष्टि राष्ट्र की।

अद्भुत साहस और सेवा का उदाहरण

1917 में जब अहमदाबाद में प्लेग फैला, तो लोग अपने घर छोड़ भाग गए। लेकिन सरदार नगर में डटे रहे, स्वयं सफाई कर्मियों के साथ सड़कों और मुहल्लों की सफाई की। इस कर्मठता से उन्होंने जनता को बताया कि सच्चा नेता वही है जो संकट में सबसे आगे खड़ा हो। लौह पुरुष का सबसे बड़ा कार्य, भारत का एकीकरण. आजादी के बाद भारत का मानचित्र सैकड़ों टुकड़ों में बंटा था, 562 देसी रियासतें, जिनमें से कुछ स्वतंत्र रहना चाहती थीं। प्रधानमंत्री नेहरू और महात्मा गांधी के विश्वासपात्र के रूप में सरदार पटेल को यह कठिन जिम्मेदारी सौंपी गई। उनकी सूझबूझ, दृढ़ता और वीपी मेनन के सहयोग व अपनी राजनीतिक दूरदर्शिता, कूटनीति और अदम्य इच्छाशक्ति से यह कर दिखाया। कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे राज्यों ने जब भारत में शामिल होने से इंकार किया, तो पटेल ने कूटनीति, संवाद और आवश्यकता पड़ने पर शक्ति, तीनों का प्रयोग किया। खास यह है कि हैदराबाद का निजाम स्वतंत्र रहना चाहता था, जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान का साथ लिया और भोपाल के नवाब ने शर्तें रखीं। परंतु सरदार झुके नहीं। उन्होंने दृढ़तापूर्वक निर्णय लिया, ह्लभारत की एकता किसी की दया पर नहीं, हमारे संकल्प पर टिकेगी।ह्व हैदराबाद में उन्होंने सेना भेजी, और निजाम को आत्मसमर्पण करना पड़ा। जूनागढ़ में जनता के विद्रोह ने नवाब को भागने पर मजबूर किया। अंततः, भोपाल के नवाब ने भी पटेल के दृढ़ निश्चय के सामने हथियार डाल दिए। अंततः सभी रियासतें भारत का अंग बन गईं। यह केवल राजनीतिक सफलता नहीं थी, बल्कि एक अखंड भारत की आत्मा का पुनर्जन्म था। इसी कार्य के कारण उन्हें इतिहास ने लौह पुरुष कहा। राजा-महाराजाओं की रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित करने के उनके प्रयासों को इतिहास सदैव स्वर्णाक्षरों में याद करेगा।

प्रशासनिक द्रष्टाः आधुनिक भारत की नींव

गृहमंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय नागरिक सेवा (आईसीएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का भारतीयकरण कर आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) की नींव रखी। उनके विचार में एक सशक्त और ईमानदार प्रशासन ही राष्ट्र की स्थिरता का आधार है।ह्व यही कारण है कि उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा था, नौकरशाही को राजभक्ति नहीं, देशभक्ति सिखानी होगी।ह्व यह विचार आज भी प्रशासनिक सेवा की आत्मा माना जाता है।

त्याग, विनम्रता और राष्ट्र सर्वोपरि भावना

कांग्रेस में प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे अधिक समर्थन सरदार पटेल को प्राप्त था, पर गांधीजी की इच्छा पर उन्होंने स्वयं पीछे हटकर नेहरू के नाम का समर्थन किया। यह राजनीतिक नहीं, नैतिक त्याग था। राजगोपालाचारी ने लिखा था, यदि पटेल प्रधानमंत्री होते, तो देश की दिशा और दृढ़ होती। पर सरदार के लिए देश, पद से बड़ा था।

सरदार पटेलः आज के भारत की प्रेरणा

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है, तब पटेल की एकता की दृष्टि पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठी है। उनकी 182 मीटर ऊँची स्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्व केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है, जो हमें याद दिलाती है कि जब नेतृत्व में निष्ठा, साहस और संकल्प होता है, तो असंभव भी संभव बन जाता है। सरदार पटेल ने कहा था, यह देश केवल एक झंडे, एक संविधान और एक राष्ट्र के रूप में रहेगा, नहीं तो यह टूट जाएगा। आज यह वाक्य हर भारतीय के लिए संकल्प है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण त्याग, सेवा और अनुशासन से होता है, सत्ता से नहीं, संकल्प से होता है। सरदार पटेल की जयंती पर यह स्मरण केवल इतिहास का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का पुनर्स्मरण है, हर भारतीय के भीतर एक लौह पुरुष जागे, जो अपने देश, अपने धर्म और अपनी मातृभूमि के लिए अडिग रहे।

रन फॉर यूनिटी और श्रद्धांजलि

हर वर्ष 31 अक्टूबर को उनके जन्मदिवस पर देशभर में ह्लराष्ट्रीय एकता दिवसह्व मनाया जाता है। ह्लरन फॉर यूनिटीह्व जैसे कार्यक्रम उनके उस अमर संदेश को जीवंत करते हैं कि राष्ट्र की शक्ति उसकी सामूहिकता में निहित है। अंततः सरदार पटेल केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण के महान अभियंता थे। उनकी दृढ़ता, निष्ठा और संगठन कौशल ने भारत को एक नई पहचान दी। आज जब हम आधुनिक भारत की राह पर अग्रसर हैं, तब यह स्मरण आवश्यक है कि जिसने भारत को जोड़ा, उसी लौह पुरुष के रन फॉर यूनिटी सच्ची श्रद्धांजलि है. बता दें, 31 अक्तूबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण किया, 182 मीटर ऊंची, विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा। नर्मदा नदी के तट पर यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है, जो बताती है कि एक व्यक्ति की अडिग इच्छाशक्ति पूरे राष्ट्र की नियति बदल सकती है। 2020 में इसे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आठ अजूबों में शामिल किया गया, यह भारत के सम्मान और पटेल की वैश्विक पहचान का प्रमाण है।

संविधान सभा में भूमिका

संविधान सभा में पटेल मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक और जनजातीय क्षेत्रों पर सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने संविधान में समावेशिता, समानता और एकता की भावना को स्थायी रूप दिया। उनका दृष्टिकोण यह था कि भारत की विविधता उसकी शक्ति है, विभाजन नहीं। उन्होंने कहा था, हमारा भारत न तो हिंदू भारत है, न मुस्लिम भारत, यह उन सबका भारत है, जो इसे अपना मानते हैं।

नेहरू और पटेलः दो विचार, एक लक्ष्य

स्वतंत्र भारत के दो महायोद्धा, नेहरू और पटेल। विचारों में मतभेद थे, पर राष्ट्र के प्रति समर्पण समान था। नेहरू पश्चिमी समाजवादी दृष्टिकोण के हिमायती थे, जबकि पटेल पारंपरिक भारतीय मूल्यों और आर्थिक व्यावहारिकता में विश्वास रखते थे। नेहरू का दृष्टिकोण वैश्विक था, तो पटेल का ग्रामीण और राष्ट्रीय। फिर भी, जब राष्ट्रहित का प्रश्न आया, दोनों एक स्वर में बोले। नेहरू ने कहा था, ह्लअगर सरदार न होते, तो यह भारत आज इस रूप में अस्तित्व में न होता।ह्व

महात्मा गांधी के विश्वस्त सहयोगी

महात्मा गांधी के साथ पटेल का संबंध गुरु-शिष्य से भी अधिक आत्मीय था। गांधी ने उन्हें अपने कंधों का सहारा कहा था। गांधी की हत्या के बाद पटेल का हृदय टूट गया। उन्होंने लिखा, बापू, आपने हमें अनाथ छोड़ दिया। अब भारत को संभालना कठिन हो गया है। गांधीजी के साथ उनका संबंध एक दूसरे के पूरक का था, गांधी ने भारत को आत्मा दी, पटेल ने उसे शरीर दिया।

अदम्य इच्छाशक्ति और अनुशासन के प्रतीक

पटेल निर्णय लेने में कभी डगमगाए नहीं। वह मानते थे, कठोर निर्णय ही स्थायी समाधान होते हैं। उनकी कार्यशैली सख्त थी, पर न्यायपूर्ण। वे प्रशासन से लेकर संगठन तक अनुशासन के पक्षधर थे। उनकी दृढ़ता, स्पष्टता और नेतृत्व कौशल ने उन्हें हर नेता से अलग बनाया।

15 दिसंबर 1950ः एक युग का अवसान

15 दिसंबर 1950 की रात, मुंबई में सरदार पटेल ने अंतिम सांस ली। मणिबेन ने उन्हें गंगाजल पिलाया और उन्होंने शांत भाव से विदा ली। उनकी मृत्यु पर देश स्तब्ध था, मानो किसी ने राष्ट्र की रीढ़ तोड़ दी हो। नेहरू ने कहा, सरदार अब नहीं रहे, पर उनके जैसा कोई दूसरा जन्म नहीं लेगा। मतलब साफ है सरदार पटेल ने केवल राजनीतिक भारत नहीं जोड़ा, बल्कि राष्ट्र भावना का ताना-बाना बुना। उन्होंने सिखाया कि एकता कोई नारा नहीं, जीवन का सिद्धांत है। उनकी स्मृति में 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

लौह पुरुष की लौ आज भी जल रही है

सरदार पटेल केवल इतिहास नहीं, वर्तमान की दिशा हैं। उन्होंने भारत को जोड़ा, और हमें सिखाया कि देशभक्ति केवल शब्द नहीं, कर्म है। उनकी दृढ़ता में राष्ट्र की आत्मा बसती है, उनकी दृष्टि में भारत का भविष्य झलकता है। आज जब हर 31 अक्तूबर को भारत रन फॉर यूनिटी दौड़ता है, तो वह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक शपथ होती है, हम उस भारत की एकता को बनाए रखेंगे, जो लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने अदम्य साहस से गढ़ी थी।

एक राष्ट्र, एक संकल्प

सरदार पटेल का जीवन यह सिखाता है कि राष्ट्र का निर्माण केवल संविधान या सीमाओं से नहीं होता, बल्कि विश्वास, एकता और त्याग से होता है। आज जब भारत नए युग में प्रवेश कर रहा है, तो पटेल की प्रेरणा हमें बताती है, भारत तब तक अमर रहेगा, जब तक उसकी एकता अटूट रहेगी। लौह पुरुष की यह लौ बुझी नहीं, वह हर भारतीय के हृदय में आज भी जल रही है। जय एकता, जय भारत। सरदार पटेल अमर रहें। याद रखना हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की भाव दृष्टि

संस्कृत साहित्य के आदि स्रोत के रचयिता, महाकाव्य परंपरा के प्रवर्तक, करुणा रस के जन्मदाता महर्षि वाल्मीकि की भाव दृष्टि भारतीय काव्य चेतना का मूलाधार है। जब एक क्रौंच जोड़े के वियोग में व्याकुल होकर उनके हृदय से स्वतः स्फुरित हुआ मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमःशाश्वतीः समाः। यत्क्रौंचमिथुनादेकमवधीः काममोहितम॥

तब केवल एक श्लोक का जन्म नहीं हुआ, बल्कि संपूर्ण भारतीय काव्य परंपरा का उद्गम हुआ। यह श्लोक उनकी भाव दृष्टि का प्रतीक है, जहाँ करुणा, न्याय और सौंदर्य का अद्भुत संगम है।

महर्षि वाल्मीकि की भाव दृष्टि का केंद्रीय तत्व करुणा है। रामायण का प्रारंभ ही करुणा से होता है। एक निरीह पक्षी की हत्या देखकर उन का हृदय द्रवित हो उठा। यह करुणा केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण जीव जगत के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती है। रामायण में सीता के वनवास, भरत की विरह व्यथा, उर्मिला का मौन त्याग, शबरी की भक्ति, और जटायु का आत्मबलिदान, सभी प्रसंगों में करुणा रस की अविरल धारा प्रवाहित होती है। महर्षि वाल्मीकि ने दिखाया कि करुणा दुर्बलता नहीं, बल्कि मानवता का सर्वोच्च गुण है।

श्रीराम का रावण के प्रति युद्ध के बाद का व्यवहार, विभीषण के प्रति सम्मान, और यहाँ तक कि शत्रुओं के प्रति भी मानवीय दृष्टिकोण, महर्षि वाल्मीकि की करुणामय भाव दृष्टि को प्रकट करता है।

महर्षि वाल्मीकि की दृष्टि में धर्म केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि जीवन का व्यावहारिक दर्शन है।श्री राम उनके लिए मयार्दा पुरुषोत्तम मनुष्य हैं, न कि निर्दोष देवता। महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को मानवीय दुर्बलताओं और संघर्षों के साथ प्रस्तुत किया। सीता निर्वासन का प्रसंग इस बात का प्रमाण है कि महर्षि वाल्मीकि ने राजधर्म और व्यक्तिगत धर्म के बीच के द्वंद्व को ईमानदारी से चित्रित किया। उनकी भाव दृष्टि में धर्म का अर्थ है सत्य, न्याय, करुणा और कर्तव्य का समन्वय है। दशरथ की भूल, कैकेयी का मोह और अहंकार, राम का आज्ञाकारी पुत्र होना , लक्ष्मण का भ्रातृ प्रेम, सभी पात्रों के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि ने दिखाया कि धर्म सदैव सरल नहीं होता, वह जटिल परिस्थितियों में कठिन निर्णय माँगता है।

महर्षि वाल्मीकि की भाव दृष्टि में स्त्री का स्थान अत्यंत गरिमामय है। सीता केवल पतिव्रता नारी नहीं, बल्कि स्वाभिमानी, साहसी और निर्णायक व्यक्तित्व की धनी हैं। अग्नि परीक्षा के बाद भी जब राम ने उन्हें त्यागा, तो सीता ने अपना आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः धरती में समा गईं। यह उनकी स्वतंत्र इच्छा का प्रतीक है। कैकेयी को महर्षि वाल्मीकि ने खलनायिका के रूप में नहीं, बल्कि एक जटिल मनोविज्ञान वाली स्त्री के रूप में चित्रित किया। मंथरा के माध्यम से उन्होंने दिखाया कि कैसे ईर्ष्या और असुरक्षा मनुष्य को गलत रास्ते पर ले जाती है। शबरी, अहिल्या, तारा, मंदोदरी, सभी स्त्री पात्रों को महर्षि वाल्मीकि ने गहन मानवीय संवेदना के मनोविज्ञान के साथ रचा है।

वाल्मीकि की भाव दृष्टि में प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक सजीव पात्र है। चित्रकूट, पंचवटी, किष्किंधा, लंका, प्रत्येक स्थान का वर्णन इतना जीवंत है कि पाठक स्वयं को वहाँ अनुभव करता है। ऋतु वर्णन, वन वर्णन, नदी वर्णन, सभी में वाल्मीकि का सूक्ष्म निरीक्षण और गहन प्रकृति प्रेम प्रकट होता है। प्रकृति उनके काव्य में मनुष्य के भावों का प्रतिबिंब भी है। राम के वनवास में प्रकृति उदास है, युद्ध के समय उग्र है, और मिलन के क्षणों में प्रफुल्लित है। यह सौंदर्य बोध और प्रकृति के साथ तादात्म्य वाल्मीकि की अद्वितीय भाव दृष्टि का परिचायक है।

वाल्मीकि ने मानवीय संबंधों को अद्भुत गहराई और सूक्ष्मता से चित्रित किया है। राम और लक्ष्मण का भ्रातृ प्रेम, राम और भरत का आदर्श संबंध, राम और सीता का दांपत्य, राम और हनुमान की स्वामी सेवक भक्ति का विलक्षण वर्णन, सुग्रीव और बालि का द्वंद्व, प्रत्येक संबंध में वाल्मीकि ने मानवीय भावनाओं की जटिलता को उकेरा है। विशेष रूप से भरत का चरित्र वाल्मीकि की मनोवैज्ञानिक दृष्टि का उत्कृष्ट उदाहरण है। सिंहासन पर राम की चरण पादुका रखकर भरत का राज्य करना, त्याग और भक्ति की पराकाष्ठा है। उर्मिला का मौन त्याग, जो महाकाव्य में प्रत्यक्ष रूप से वर्णित नहीं है, फिर भी उस दृश्य की उपस्थिति महत्वपूर्ण है।

वाल्मीकि की भाव सृजनात्मक क्षमता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने रावण को एकआयामी खलनायक नहीं बनाया। रावण विद्वान, पराक्रमी, शिव भक्त और महान राजा है। उसकी एक कमजोरी, काम वासना, उसके पतन का कारण बनती है। वाल्मीकि ने दिखाया कि हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं। विभीषण के माध्यम से वाल्मीकि ने बताया कि धर्म के लिए अपने परिवार का भी विरोध करना पड़ सकता है। इंद्रजीत, कुंभकर्ण, सभी पात्रों को मानवीय गरिमा के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह समग्र मानवीय दृष्टि वाल्मीकि को महानतम बनाती है।

वाल्मीकि की रामायण में भक्ति और ज्ञान का अद्भुत समन्वय है। राम केवल शक्तिशाली योद्धा नहीं, बल्कि ज्ञानी और विवेकशील हैं। हनुमान की भक्ति में ज्ञान और बल का संयोग है। जटायु का आत्मबलिदान भक्ति की पराकाष्ठा है। वाल्मीकि ने दिखाया कि सच्ची भक्ति अंधविश्वास नहीं, बल्कि प्रेम, समर्पण और कर्तव्य पालन है। उनकी दृष्टि में भक्ति और कर्म, ज्ञान और प्रेम, सभी का संतुलित स्थान है।

वाल्मीकि की भाव पूर्ण दृष्टि में सामाजिक और राजनीतिक चेतना स्पष्ट दिखाई देती है। राजधर्म, प्रजा पालन, न्याय व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था, सभी पर उनके विचार शाश्वत बन पड़े हैं। राम का वनवास पिता की आज्ञा का सम्मान है, भले ही वह स्वयं दशरथ के लिए व्यक्तिगत रूप से कितना कष्टदायक हो। शबरी और निषादराज गुह के माध्यम से वाल्मीकि ने समाज के अपेक्षाकृत विपन्न वर्गों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यह उनकी व्यापक सामाजिक भाव दृष्टि का परिचायक है। वाल्मीकि की दृष्टि उनके काव्य शिल्प में भी प्रतिबिंबित होती है। श्लोक रचना, अलंकार, उपमा, रूपक, सभी में स्वाभाविकता है। उनकी भाषा सरल, प्रवाहमय और हृदयस्पर्शी है। वे कहीं भी कृत्रिमता का आश्रय नहीं लेते। युद्ध वर्णन में वीर रस, विरह प्रसंगों में करुण रस, प्रकृति वर्णन में शांत रस, सभी रसों का स्वाभाविक संचार उनके काव्य में है। यह काव्य शिल्प और भाव सौंदर्य का अद्भुत समन्वय वाल्मीकि को आदि कवि बनाता है। उन्होंने काव्य धारा के स्त्रोत से जो अविरल धारा उत्खनित की है वह निरंतर भी रही है। महर्षि वाल्मीकि की भाव दृष्टि केवल एक काल या समाज तक सीमित नहीं है, वह शाश्वत और सार्वभौमिक है। वह केवल संस्कृत भाषा की पूंजी नहीं, वह ऐसी चेतना है जो अभिव्यक्ति है, इसीलिए हिंदी सहित प्रत्येक भाषा का मूल आधार बनी । उनकी करुणा, मानवीयता, धर्म बोध, प्रकृति प्रेम, और समग्र जीवन दृष्टि आज भी प्रासंगिक है। शाश्वत है महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से न केवल एक महाकाव्य रचा, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति, एक दर्शन और एक आदर्श का समग्र संस्कार प्रस्तुत किया। एक संस्कृति की रचना की है। उनकी भाव दृष्टि हमें सिखाती है कि जीवन में संघर्ष, द्वंद्व और कठिनाइयां अनिवार्य हैं, लेकिन करुणा, धर्म, और मानवीयता के साथ इन्हें पार किया जा सकता है। वाल्मीकि सच्चे अर्थों में आदि कवि हैं क्योंकि उन्होंने काव्य को केवल शब्द विन्यास नहीं, बल्कि हृदय की अभिव्यक्ति, जीवन का दर्पण और मानवता का संदेश बनाया।

आज जब संसार हिंसा, द्वेष और असहिष्णुता से जूझ रहा है, महर्षि वाल्मीकि की करुणामय भाव दृष्टि एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमारा मार्गदर्शन कर सकती है। उनका संदेश सरल है। मनुष्य बनो, संवेदनशील बनो, धर्म का पालन करो, और सभी प्राणियों के प्रति करुणाभाव रखो। यही सच्ची मानवता है, यही जीवन का सार है। उनकी रचना से महर्षि वाल्मीकि किसी वर्ग मात्र के आराध्य नहीं वे मानव मात्र के वैश्विक नायक के स्वरूप में प्रतिष्ठित किए जाने चाहिए।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव-
विनायक फीचर्स

लोक कल्याण की कामना के साथ सीमा सिंह ने मनाया छठ महापर्व

मुंबई। देशभर में मनाए जा रहे छठ महापर्व के बीच मेघाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह ने बांद्रा पश्चिम के अलमेडा पार्क स्थित अपने आवास पर पूरे परिवार के साथ छठ मैया की पूजा अर्चना कर देशवासियों के कल्याण और खुशहाली की प्रार्थना की। सीमा सिंह और उनके पूरे परिवार ने पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान सूर्य की आराधना की। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व का यह त्यौहार परिवार की सुख शांति की कामना के साथ-साथ लोक कल्याण की भावना के साथ मनाया जाता है। उन्होंने समस्त देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार आपके जीवन को खुशहाल बनाए। वैदिक काल से मनाये जा रहे इस त्यौहार का विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर सीमा सिंह के पति मृत्युंजय कुमार सिंह, पुत्र श्रेय सिंह, पुत्री मेघना सिंह, ससुर बीएन सिंह उपस्थित रहे।

लोग अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन पूरी तरह सतर्क: पालघर पुलिस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के सातपाटी पुलिस स्टेशन अंतर्गत मौजे मुरबे, सातपाटी, नांदगांव, खारेकुरण व आसपास के क्षेत्रों में 24 अक्टूबर 2025 की रात को कुछ ड्रोन उड़ते हुए दिखाई देने की सूचना स्थानीय नागरिकों द्वारा दी गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में भय व असमंजस का माहौल देखा गया। इस मामले को पालघर पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि घटना की पूरी जांच की जा रही है तथा सभी संबंधित शासकीय विभागों से संपर्क साधकर तथ्यात्मक जानकारी एकत्र की जा रही है। पालघर पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें और संयम बनाए रखें। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है या किसी तरह की जानकारी मिलती है, तो तुरंत संबंधित पुलिस थाने से संपर्क करें। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि घटना की संपूर्ण व गंभीरता से जांच की जायेगी और आवश्यक कार्रवाई निश्चित रूप से की जायेगी। पालघर पुलिस की ओर से नागरिकों से सतर्कता एवं शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

होटल मालिक के खिलाफ कार्रवाई की, बिना शराब लाइसेंस अवैध रूप से बेच रहा था शराब

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में गत 25 अक्टूबर 2025 को, एक गुप्त सूचना मिली कि काशीमीरा पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर, मीरागांव के मुंशी कंपाउंड में अड्डा बार और रेस्तरां की दूसरी मंजिल पर स्थित होटल का मालिक बिना लाइसेंस के ग्राहकों को शराब बेच रहा है और ग्राहकों को उक्त स्थान पर शराब पीने के लिए जगह उपलब्ध करा रहा है। इस सूचना के अनुसार, काशीमीरा पुलिस स्टेशन और पुलिस उपायुक्त सर्कल-1 मीरा रोड की एक टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की और होटल के मालिक, संचालक और ग्राहकों को शराब परोसने वाले वेटर सहित कुल 11 लोगों को हिरासत में लिया। बिना लाइसेंस के उक्त बार में बिक्री के लिए रखी गई रेड लेबल, रॉयल स्टिंग, ओक स्मिथ, ब्लेंडर प्राइड, कैमिनो टकीला और अन्य विदेशी शराब सहित 1,18,455/- रुपये की शराब की बोतलें जब्त की गईं। उक्त होटल के ड्राइवर मालिक/वेटर सहित कुल 11 लोगों के खिलाफ काशीमीरा पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65 (ई) और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 33 (डब्ल्यू)/131 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त प्रदर्शन उत्कृष्ट रूप से किया गया है। जिसमें निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राहुल चव्हाण, पुलिस उपायुक्त, जोन-01, गणपत पिंगले, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, राजेंद्र कांबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सपोनि श्रीराम करांडे के मार्गदर्शन में, पउनि संजय लोखंडे, सफौ विजय गंभीरराव, सफी रंजीत शिंदे, पो.शि 16013 विपुल सावंत, पो.शि 23041 लोखंडे, पो.शि 23044 बुल्हे, मपोशी 23543 सीता ठेंगड़े को काशीमीरा पुलिस स्टेशन द्वारा नियुक्त किया गया साथ ही सपोनी राम सुरवासे, पौनि राजेन्द्र निकम, पो.शि. चव्हाण, पो.शि. भोये.ने संयुक्त रूप से किया कारवाई।

जितेन गिरी कांग्रेस भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के अध्यक्ष नियुक्त

ठाणे (उत्तर शक्ति)। जितेन गिरी को ठाणे जिले के कांग्रेस भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बता दें इनकी निरंतर मेहनत ,निष्ठा और नेतृत्व क्षमता ने सभी युवाओं को प्रेरणा दिया है इनके नेतृत्व में निश्चित रूप से कांग्रेस भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ ठाणे जिले के युवा वर्ग के हित में नई ऊंचाइयां छूने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। समाज सेवी रतन मिश्रा ने कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि गिरि जी इसी तरह समाज की सेवा करते रहें और युवाओं की आवाज बनें और हर कदम पर सफलता प्राप्त करें इस अवसर पर अभिषेक मिश्रा ,आशीष गिरी आदि कई लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं और बधाइयां दी । ठाणे जिले में प्रसन्नता की लहर दौड़ पड़ी है।

डहाणू में सर्वदलीय कार्यकर्ताओं का शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश

नगर परिषद व जिला परिषद पर भगवा फहराने का संकल्प

-अजीत सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के डहाणू विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना का जनाधार लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक रोजाना सैकड़ों कार्यकर्ता विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़कर शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो रहे हैं। आगामी डहाणू नगरपरिषद, जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों को लेकर शिवसेना ने कमर कस ली है।

पालघर शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख कुंदन संखे की प्रमुख उपस्थिति में मोडगांव जिला परिषद गट के सैकड़ों सर्वदलीय

कार्यकर्ताओं ने डहाणू में शिवसेना में प्रवेश किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बोलते हुए कुंदन संखे ने कहा कि डहाणू शहर व ग्रामीण भाग में जनता में वर्तमान परिस्थितियों को लेकर जबरदस्त असंतोष है। मतदाता शिवसेना को एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में देख रहे हैं। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की एकजुटता के बल पर डहाणू नगरपरिषद, जिला परिषद और पंचायत समिति पर शिवसेना का झंडा लहरायेगा। इस मौके पर शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख केदार काले ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी को आने वाले चुनावों में पार्टी की विजय सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में युवासेना जिलाध्यक्ष साईराज पाटील, उपजिला प्रमुख समीर सागर, पूर्व उपनगराध्यक्ष राजू मच्छी, विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सुनील इभाड, विधानसभा संघटक आदित्य अहिरे, तहसील प्रमुख हेमंत धर्ममेहेर, तहसील संघटक रूपजी कोल, शहर प्रमुख रमेश पाटील, मिलिंद मालवे, सईद शेख, कल्पेश भावर सहित शिवसेना के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कियारा मनोज सिंह ने स्वर्ण पदक जीत कर कम उम्र में रचा इतिहास

16वीं राष्ट्रीय कुंडों प्रतियोगिता 2025-26 में शानदार प्रदर्शन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंदौर स्टेडियम में आयोजित 16वीं राष्ट्रीय कुंडों प्रतियोगिता 2025-2026 में 26 अक्टूबर को कियारा मनोज सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। वर्ष की कम आयु वर्ग (जूनियर कैटेगरी) में भाग लेते हुए कियारा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कियारा के इस विजयी प्रदर्शन ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, लेकिन कियारा ने अपने आत्मविश्वास, कौशल और लगन के दम पर निर्णायकों को प्रभावित किया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इतनी कम उम्र में कियारा द्वारा स्वर्ण पदक जीतना आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। वहीं, कियारा के कोच ने बताया कि उनकी मेहनत और अनुशासन ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है। कियारा मनोज सिंह की इस उल्लेखनीय सफलता पर शुभेच्छाओं का तांता लग गया है। स्थानीय नागरिकों एवं शिक्षकों ने भी उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शिवसेना शिंदे उत्तर भारतीय सेल पनवेल तालुका प्रमुख पद पर सी.पी. प्रजापति की गयी नियुक्ति

पनवेल, रायगड (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ हिंदुत्वनिष्ठ नेता और शिवसेना शिंदे गुट के संस्थापक हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में, शिवसेना (शिंदे) रायगड जिला प्रमुख रामदास शेवाले ने (पक्ष से 14 अक्टूबर 2025 को औपचारिक सहमति से) पनवेल तालुका प्रमुख पद पर सी. पी. प्रजापति को नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पत्र को रामदास शेवाले ने स्वयं अपने हाथों से सी.पी.प्रजापति को सौंपा। इस अवसर पर शिवसेना पनवेल महानगर समन्वयक डी.एन. मिश्रा, रायगड जिला उपाध्यक्ष शिवसेना धर्मवीर वाहतुक सेना-संदीप मुलीक सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। सी. पी. प्रजापति को यह जिम्मेदारी उनके लंबे समय से किए जा रहे सामाजिक कार्यों, जनसेवा और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए दी गई है। अब वे बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व विचारों और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर रायगड जिला प्रमुख रामदास शेवाले ने कहा सी. पी. प्रजापति को यह पद उनकी निष्ठा, कर्मठता और समाजसेवा के कारण दिया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे शिवसेना (शिंदे) के विचारों को पनवेल तालुका में और अधिक सशक्त रूप से प्रसारित करेंगे। अपने विचार व्यक्त करते हुए सी. पी. प्रजापति ने कहा मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे मैं पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत से निभाऊंगा। बालासाहेब ठाकरे जी के हिंदुत्व विचारों का प्रसार करना और संगठन को मजबूत बनाना मेरा प्रमुख लक्ष्य रहेगा।

काशीमीरा पुलिस ने स्कूली छात्र का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले आरोपी को 24 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा में बिगत 24 अक्टूबर 2025 को, सेंट जेरोम स्कुल, काशीगांव के एक स्कूली छात्र की मां को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से एक व्हाट्सएप संदेश भेजा गया था, जिसमें उसके 14 वर्षीय बेटे को 4 लाख रुपये की फिरौती की धमकी दी गई थी। जब महिला शिकायत दर्ज करने के लिए काशीमीरा पुलिस थाने आई, तो उसकी शिकायत को तुरंत संज्ञान में लिया गया और एक जांच शुरू की गई। इस संबंध में, सबसे पहले अज्ञात आरोपी द्वारा प्राप्त मोबाइल फोन की तकनीकी जानकारी प्राप्त की गई और मोबाइल फोन के मालिक को पुलिस थाने में लाया गया और पूरी तरह से जांच की गई, लेकिन कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली। इस बीच, जब शिकायतकर्ता से आगे पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि अज्ञात आरोपी द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से उसे भेजे गए बच्चे की तस्वीर स्कूल बस चालक को उसके बेटे को स्कूल छोड़ने के लिए दी गई थी। स्कूल बस चालक को तुरंत पुलिस थाने में पेश किया गया। जब उससे गहनता से पूछताछ की गई, तो पाया गया कि उसने एक अपराध किया था हरिराम सोसा। हनुमान मंदिर के पास, महाजनवाड़ी, काशीमीरा, मीरा रोड ने सबसे पहले एक 14 वर्षीय लड़के की तस्वीर उसकी माँ से प्राप्त की थी। साथ ही, चूँकि उसकी मोबाइल फोन और सिम कार्ड बेचने की एक दुकान थी, जब एक गरीब आदमी उस दुकान में सिम कार्ड रिफिल करने आया, तो उसने उसकी अज्ञानता का फायदा उठाया और उसे बताया कि उसका सिम कार्ड निष्क्रिय है, उसका पुराना सिम कार्ड अपने पास रख लिया और जानबूझकर उसे निष्क्रिय सिम कार्ड दे दिया। उसने उस सक्रिय सिम कार्ड नंबर से शिकायतकर्ता को बच्चे के अपहरण का धमकी भरा संदेश और फोटो भेजकर अपराध किया था। आरोपी 3 से 4 अन्य अभिभावकों से, जो अपने बच्चों को उसकी स्कूल बस से लेने आ रहे थे, उनके बच्चों के बारे में धमकी भरे व्हाट्सएप संदेश भेजकर पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहा था। काशीमीरा पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करके आगे की त्रासदी को टालने में सफलता हासिल की है। उपरोक्त कार्य काशीमीरा पुलिस थाने की पोहवा जयप्रकाश जाधव जोन-1 में तैनात पोस्ट उप निरीक्षक शिवाजी खाडे, पोस्ट उप निरीक्षक राजेश किनी, पोस्ट वायु राहुल सोनकांबले, पोस्ट उप राजेंद्र सूर्यवंशी, पोस्ट उप राहुल पंडागले, पोस्ट उप मुकेश कांबले के मार्गदर्शन में निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राहुल चव्हाण, पुलिस उपायुक्त, जोन 01, गणपत पिंगले, षष्ठम पोस्ट आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, राजेंद्र कांबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा उत्कृष्ट रूप से कारवाई किया गया।

स्मोकफ्री इंडिया ने तंबाकू नियंत्रण को प्राथमिकता देने की माँग की

मुंबई। स्मोकफ्री इंडिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल की COP11 बैठक से पहले चार बिंदुओं पर आधारित तात्कालिक कार्रवाई की अपील की है। संगठन ने प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि भारत में तेजी से बढ़ते युवा तंबाकू संकट का समाधान तत्काल और वैज्ञानिक नीतियों के माध्यम से किया जाए।

हर दिन 5,500 से अधिक भारतीय बच्चे तंबाकू का सेवन शुरू करते हैं। 13 से 15 वर्ष की आयु के हर पाँच में से एक छात्र ने कभी न कभी तंबाकू का इस्तेमाल किया है, जबकि लगभग 9% बच्चे वर्तमान में इसका उपयोग कर रहे हैं। युवावस्था तक पहुँचते-पहुँचते 28% लोग सिगरेट पीते हैं और 15% लोग बिना धुएँ वाले तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। डॉ. पवन गुप्ता, सीनियर कंसल्टेंट पल्मोनरी मेडिसिन, बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली ने कहा, परंपरागत तंबाकू से होने वाला नुकसान बहुत जल्दी शुरू होता है और जीवनभर बना रहता है। हम इसके भयावह परिणाम हर दिन देखते हैं - मुँह के कैंसर, फेफड़ों की बीमारियाँ और हृदय रोग - और अक्सर ये वही लोग होते हैं जिन्होंने किशोरावस्था में तंबाकू का सेवन शुरू किया था। हर साल 13.5 लाख मौतें यह स्पष्ट करती हैं कि परंपरागत तंबाकू एक सिद्ध घातक उत्पाद है और हमारे युवा इसके सबसे संवेदनशील लक्ष्य हैं। इसलिए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता तंबाकू सेवन की शुरूआत को रोकना, इसकी लत छुड़वाने में सहायता प्रदान करना और विज्ञान-आधारित नीतियों को लागू करना होनी चाहिए।

शिव मंदिर में अपकृत्य करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पालघर पुलिस स्टेशन व स्थानीय अपराध अन्वेषण शाखा की संयुक्त कार्रवाई

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के उमरोली क्षेत्र में स्थित प्राचीन महादेव मंदिर में धार्मिक स्थल की विटंबना करने वाले आरोपी को पालघर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने शिवलिंग के ऊपर स्थित गंगाजल कुंड में जानबूझकर बॉयलर मुर्गे के मांस के छोटे-छोटे टुकड़े डाल दिए थे। इस अपमानजनक कृत्य से मंदिर परिसर की पवित्रता भंग हुई और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँची। इस संबंध में जितेश चुनीलाल कुंभार (45), निवासी उमरोली पूर्व, पालघर ने पालघर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने बी.एन.एस. 2023 की धारा 298 के तहत मामला क्रमांक 264/2025 दर्ज किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख (भापोसे) स्वयं घटनास्थल पर पहुँचे और तत्काल जांच दल गठित करने के निर्देश दिए। इसके बाद स्थानीय अपराध अन्वेषण शाखा (LCB) और पालघर पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सागर सुरेश पाटील (29 वर्ष), निवासी दहिसर, मनोर (जिला पालघर) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया और बताया कि वह शिवभक्त है तथा रोज पूजा करता है। आर्थिक तंगी के चलते उसने एविएटर नामक ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया, जिसमें उसने लगभग 5 लाख रुपये गँवा दिए। इसी हताशा और गुस्से में उसने भगवान शिव से नाराज होकर मंदिर में मांस फेंकने का कृत्य किया। पुलिस ने आरोपी को 26 अक्टूबर 2025 की सुबह 4:28 बजे गिरफ्तार किया। बाद में उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे 28 अक्टूबर 2025 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उक्त कारवाई पालघर पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, उपविभागीय अधिकारी प्रभा राऊल के मार्गदर्शन में स्थानिक गुन्हे अन्वेषण शाखा के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, सहायक पुलिस निरीक्षक व्हटकर, पालघर पोलीस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक अनंत पराड, सहायक पुलिस निरीक्षक मल्हार थोरात व उनकी टीम द्वारा सफलता पूर्वक की गई।

5 करोड़ की निधि से विभिन्न विकास कामों का उद्घाटन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम बिरला कॉलेज वार्ड में विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए, शिवसेना शहर प्रमुख रवि नाना पाटिल के प्रयासों से 5 करोड़ की निधि से भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक-सह्याद्री नगर से पल्स हॉस्पिटल मार्ग और स्ट्रीट लैंप का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर शिवसेना पदाधिकारियों, महिला आघाड़ी, शिवसैनिकों, युवासैनिकों और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थिति थे। शिवसेना शहर प्रमुख रवि नाना पाटिल ने क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को लाभ मिल रहा है। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना के जिला प्रमुख गोपाल लांडगे की मौजूदगी से कार्यकर्ताओ में खुशी का माहौल देखा गया। पूर्व महापौर वैजयंतीताई घोलप, भिवंडी लोकसभा संयोजक सुनील वेले, विधानसभा संयोजक संजय पाटिल, उपनगर प्रमुख नरेंद्र कामत, महिला उपनगर संयोजिका अंजलि भोईर, प्रभाग संयोजिका शिरीन पठान, उपशाखा संयोजिका अस्मिता नाइक, गीता मोहिले, अक्षया दलवी, शांताबाई बच्छाव, वैशाली बच्छाव, प्रभाग प्रमुख रूपेश सकपाल, उपशाखा प्रमुख दीपक धनावड़े, अजय हिरवे, शत्रुघ्न करभारी, अर्जुन दिवेकर, प्रमोद चव्हाण, शाखा प्रमुख पंढरीनाथ राउल, प्रतीक चौधरी, नीलेश सकपाल, प्रशांत पाटिल, उप-शाखा प्रमुख विजय उबाले, दिलीप सातारकर, प्रमोद म्हात्रे, नयन गायकवाड़, संतोष गडकरी, महेश जाधव, नीलेश पाटिल, समूह प्रमुख ज्ञानेश्वर राउल, सुनील वाघ, प्रकाश पेडनेकर, सुशांत केलुस्कर, महेश भोसले, राजू सावंत संतोष कदम, रमेश मिंधे, वसंत राउल, कृष्णा सावंत विजय दलवी, गणेश घोलप, सचिन हरावड़े, गढ़वे काका संतोष गायकवाड़, दीपक जाधव, शेट्टी काकी, जयसवाल काकी, राउल काकी, देवेंद्र जंगल, दत्ताराम जाधव, लहू भोईर, युवा सेना विधानसभा प्रमुख, कल्याण पश्चिम सुजीत रोकड़े, जिला सचिव योगेश पाटिल, विभाग प्रमुख प्रथमेश पाटिल, सागर शिंदे, उप-विभाग प्रमुख प्रसाद शिंदे, मयूर मोरे, स्वप्निल देशमुख, शाखा प्रमुख ओंकार हरवाडे, मंदार बेलोटे, उप-शाखा प्रमुख साहिल चौथे, विनायक भोसले, दीपक पाटिल, निखिल विश, राजन चौघुले, तुषार पवार, उमेश आंब्रे, अंकुश राय, स्वप्निल पवार, सुजीत भोसले, राज येवले, सोहम बेनकर, तनुज सकपाल, विग्नेश नाइकोडे, स्वप्निल क्षीरसागर, वैभव गोंधली, रुषभ परदेशी, सहवाग रेमानी, परेश पाटिल, कृष्णा पवार, विशाल करणकल, प्रीतम मुखरकर, राजू पाटिल, सागर शर्मा, स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सिर्फ प्रतापगढ़ परिवार का 6वां स्नेह सम्मेलन संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सिर्फ प्रतापगढ़ परिवार मुंबई का छठवां स्नेह मिलन समारोह मुंबई के मालाड पश्चिम स्थित सिल्वर ओक रेस्टोरेंट सभागार में सम्पन्न हुआ। भारी बरसात के बावजूद प्रवासी प्रतापगढ़ वालों की भारी संख्या आयोजकों के हौसलों को पंख लगा रही थी। डाक्टर अमर मिश्र के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में हर तबके के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंदीपुर धाम के संस्थापक पं. अरुण मिश्र ने किया जबकि कोहंडौर में शैक्षणिक हब की स्थापना करने वाले पं.दिनेश त्रिपाठी मुख्य अतिथि थे। प्रतापगढ़ के तेरह अति गरीब परिवार को देने के लिए घर बनवा हल्लू रामसुंदर यादव, मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय ,कुंडा में भव्य राम कथा का आयोजन करवाकर देशभर में चर्चित होने वाले आनंद पांडेय, प्रसिद्ध बालीवुड पार्श्व गायक रवी त्रिपाठी, संदीप शुक्ल, श्री राममंदिर जोगेश्वरी के प्रमुख पं. लक्ष्मण द्विवेदी, शिखर न्यूज के प्रमुख सुरेश शुक्ल ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ.अमर मिश्र ने प्रवासी प्रतापगढ़ वालों को जोड़ने,उनकी समस्याओं का निदान करने तथा मुंबई, ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, मीरा-भाईंदर,वसई-विरार,पालघर, नवी मुंबई में रहने वाले कम-से-कम दस हजार लोगों को एक साथ जोड़ने का संकल्प लिया। पार्श्वगायक रवी त्रिपाठी, लोकगायक संजय तिवारी सफल, सागर तिवारी, दीपक सुहाना और हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने अपनी कविताओं और गीतों से प्रतापगढ़ियों से खचाखच भरे आडिटोरियम को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर एड्. विनय दूबे, सुभाष पांडेय,प्रदीप दूबे, मुन्ना पांडेय,रामप्रकाश पांडेय,पवन शुक्ला, संतोष पाण्डेय, राजेश मिश्रा, दुर्गेश पांडेय, के के तिवारी, उद्योगपति व समाजसेवी संजय मिश्रा, लल्लन पांडेय,भोला गिरि, राजेश सिंह, शशीकांत पांडेय, अरविंद शुक्ल, शिखर न्यूज के अनिल बारी,अनुपम शुक्ल,नीलेश मिश्रा, आशीष दूबे,दिवाकर पांडेय, अचिंत्य मिश्रा सहित पत्रकारिता, साहित्य,शिक्षा, उद्योग जगत की तमाम हस्तियां उपस्थित थीं। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेश मिश्र ने किया।अंत में पत्रकार अविनाश पांडेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

भोपाल से युवक लापता, परिजनों ने की मदद की अपील

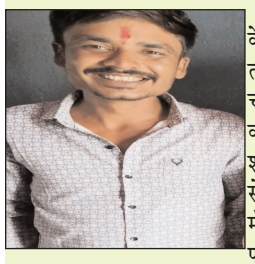

भोपाल/रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के ग्राम खपड़िया कला थाना भाड़कच्छ कला तहसील बाड़ी निवासी जितेंद्र चौहान (पुत्र अशोक चौहान, उम्र 28 वर्ष) बीते दिन भोपाल इलाज कराने आए थे, लेकिन इलाज कराने के बाद लगभग शाम 4:45 बजे अस्पताल से निकले और उसके बाद से लापता हैं। परिवार के अनुसार, जितेंद्र चौहान का मोबाइल फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। परिजनों ने रिश्तेदारों व परिचितों से संपर्क कर कई जगह तलाश की, लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। थक-हारकर परिजनों ने इस संबंध में थाना भाड़कच्छ कला में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जितेंद्र चौहान का रंग सावला, चेहरा गोल, शरीर सामान्य, ऊंचाई औसत बताई गई है। वे चेकदार शर्ट, जींस पैंट और नीले रंग के जूते पहने हुए थे। परिवार ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को जितेंद्र चौहान के बारे में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें - मोबाइल नंबर: 94257 87995 / 88891 42012 जितेंद्र चौहान के बारे में सही जानकारी देने वाले व्यक्ति को उचित इनाम दिया जाएगा।

पीएनबी ने सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक ने द्वारका, नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का शुभारंभ किया, जहाँ प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्र तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राघवेंद्र कुमार ने स्टाफ सदस्यों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई तथा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक शासन के प्रति बैंक की अटूट प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। कार्यकारी निदेशकगण बी.पी. महापात्र तथा डी सुरेंद्रन ने भी उपस्थित स्टाफ सभा को संबोधित किया। माननीय केंद्रीय सतर्कता आयोग के निदेर्शानुसार, पीएनबी 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में सोते युवक पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, 50 प्रतिशत तक झुलसा

◆ अज्ञात हमलावर फरार, जिला अस्पताल में भर्ती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के बेलापार गांव में रविवार की देर रात दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव के एक युवक को सोते समय अज्ञात लोगों ने पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बेलापार गांव निवासी राजेन्द्र प्रसाद यादव का 30 वर्षीय पुत्र विनोद कुमार यादव, जो वाहन चलाकर परिवार का गुजारा करता है, रविवार की रात करीब ढाई बजे नौपेड़वा बाजार के पीछे नहर किनारे स्थित अपने घर के टिनशेड के नीचे चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान अज्ञात लोग पहुंचे और उसके ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। युवक की चीख-पुकार सुनकर परिवारजन मौके पर पहुंचे और आग बुझाकर किसी तरह उसे नौपेड़वा सीएचसी ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक विनोद के शरीर का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा जल गया है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार हैं और उनके पहचान की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है।

समर्थ पोर्टल पर सुझाव देने में जनपद को शीर्ष पर बनाए रखने में सहयोग की डीएम ने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के कुशल नेतृत्व और प्रभावी निर्देशन में जनपद ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शासन के ह्लसमर्थ पोर्टलह्व पर जनसहभागिता एवं सकारात्मक सुझावों के मामले में जनपद पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। समर्थ पोर्टल के माध्यम से शासन की नीतियों, योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु नागरिकों से रचनात्मक सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं। इस दिशा में जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशासनिक टीम द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप आम नागरिक, स्वयंसेवी संगठन, शिक्षण संस्थान एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने सक्रिय रूप से पोर्टल पर अपने सुझाव दर्ज किए जा रहे है।

जिलाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि जनसहभागिता के बिना सुशासन की परिकल्पना अधूरी है। समर्थ पोर्टल नागरिकों की आवाज को सीधे शासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बना है।

उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लगातार सभी विभागों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों एवं शैक्षणिक संस्थानों को समर्थ पोर्टल पर सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप बड़ी संख्या में जनपद वासियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, और डिजिटल शासन से संबंधित सुझाव दिए, जिससे जौनपुर ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने शिक्षा, कृषि के क्षेत्र में नवाचार, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण स्वास्थ्य क्षेत्र सहित कुल 12 प्रमुख सेक्टरों में सुझाव देने की अपील की है। समर्थ पोर्टल पर डेस्कटॉप अथवा लैपटॉप का प्रयोग कर वेब पोर्टल http//samarthut-tarpradesh.up.gov.in पर बिना लॉगइन किये आम जन सुझाव दर्ज दर्ज करा सकते है।

बच्चों के लिए शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी: रमेश सिंह

विधायक रमेश सिंह ने निधि से शिक्षण कक्ष का किया शिलान्यास और भूमि पूजन

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड क्षेत्र के एसवीडी गुरुकुल महाविद्यालय ऊचगांव में

मुख्य अतिथि शाहगंज विधायक रमेश सिंह ने रविवार को अपनी विधायक निधि से दस लाख रुपये के एक शिक्षण कक्ष का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। प्रबंधक डॉ. उमेश चंद्र तिवारी ने मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र एवं माल्यार्ण करके स्वागत किया। विधायक ने कहा कि शिक्षा से ही समाज का सर्वांगीण विकास हो सकता है। कहा कि बच्चों के लिए किताबी ज्ञान के साथ संस्कार भी जरूरी है। उन्होने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश सरकार हर तबके के बच्चों के शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाकर उनके भविष्य को उज्जवल बना रही है। प्रबंधक डॉ. उमेश चंद्र तिवारी ने कहा कि सरकार प्रदेश का चहमुखी विकास कर रही है। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों और क्षेत्रीय लोगों को आश्वस्त किया कि बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। शिक्षकों से आह्वान किया कि बच्चों के भविष्य के बेहतर के लिए सकारात्मक दिशा में काम करें ताकि उनके सपने साकार हों। डॉ. राकेश चंद्र तिवारी ने अतिथियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही एक सभ्य समाज का निर्माण हो सकता है। शिक्षा ही देश के विकास का आधार है। अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख विद्या तिवारी ने की।

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश पांडेय, प्रधान राजेंद्र प्रसाद तिवारी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, शाहगंज विधानसभा संयोजक जितेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, अवधेश दूबे, भीम सिंह, बीडीसी प्रशांत पांडेय, काका यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

चंदवक में खड़ी बाइक लेकर चोर फरार, चोरों की तलाश में पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चन्दवक थाना क्षेत्र के बजरंगनगर बाजार में खोवा व्यापारी रामजन्म यादव घूम-घूम कर दुकानदारों को खोवा बेचते हैं। रोज की भांति शनिवार की शाम को बंद दुकान के सामने बाइक खड़ा कर गोपी मौर्या को खोवा देने चला गया। खोवा देकर वापस लौटा तो बाइक गायब देख पैरों तले से जमीन खिसक गई। आस–पास काफी खोजबीन की गई, मगर कहीं कोई पता नहीं चला तो आनन–फानन में थाना पहुंचकर बाइक चोरी की तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस पीड़ित के तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। बता दें कि हौंसला बुलंद चोर जहां से बाइक चोरी की वारदात की घटना को अंजाम दिये, वहां से पुलिस चौकी महज कुछ ही दूरी पर स्थित है।

बरसठी में लापता हुआ किशोर, पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज

दिनेश विश्वकर्मा, बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी क्षेत्र के ग्राम काटी निवासी केशा देवी पत्नी रंगबहादुर ने अपने पुत्र के लापता

होने की सूचना पुलिस को दी है। प्रार्थिनी के अनुसार, घटना 24 अक्तूबर 2025 की शाम लगभग 5 बजे की है। उनका पुत्र अभिनव (पुत्र रंगबहादुर) बिना बताए घर से कहीं चला गया। परिवारजनों ने आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। लड़का घर से जाते समय अपनी साइकिल लेकर गया था। उसका हुलिया – लम्बाई लगभग 5 फीट, रंग गोरा, नाक-कान-मुख औसत, नीली पैंट, गुलाबी टी-शर्ट तथा पैरों में हवाई चप्पल थी।

बरेली एक्सप्रेस से जौनपुर आते समय युवक लापता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चंदवक अंतर्गत ग्राम रतनूपुर के निवासी अजीत राजभर बीते दिनों 25 अक्टूबर को बरेली से 14236 बरेली एक्सप्रेस गाड़ी से दो लोगों के साथ जौनपुर के लिए निकले थे। बीते दिन 26 अक्टूबर को सुबह अयोध्या पहुंचने तक ट्रेन में अपनी सीट पर मौजूद थे। परन्तु अकबरपुर स्टेशन के पहुंचने से पहले ही उन्हें सीट पर न देख उनके साथ यात्रा कर रहे दोनों लोगों ने पूरी ट्रेन में उन्हें तलाश किया,पर वे नहीं मिले। ऐसे में किसी अनहोनी की आशंका में अजीत राजभर के भाई तहसीलदार राजभर ने बताया कि 14236 बरेली से वाराणसी तक जाने वाली बरेली एक्सप्रेस में अयोध्या धाम स्टेशन तक हम तीनों लोग जनरल बोगी में यात्रा कर रहे थे,परंतु अकबरपुर स्टेशन आने से पहले वो अपनी सीट से लापता हो गए। जिनकी उम्र 40 वर्ष, रंग गेहूंआ, हल्का क्रीम कलर का शर्ट पहने हुए है। पीड़ित व अजीत राजभर के भाई तहसीलदार राजभर ने लोगों से अपील की है कि किसी को दिखे या कोई सूचना मिले तो मुझसे संपर्क करें। तहसीलदार राजभर, मोबाइल नंबर 7570054196, 9598407899, ग्राम रतनूपुर, थाना चंदवक, जौनपुर।

जमीनी विवाद में पिता–पुत्र पर हमला, दोनों गंभीर, सात के खिलाफ जानलेवा हमला का मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के करमही गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए संघर्ष में 68 वर्षीय वृद्ध और उसके पुत्र को लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना में दोनों के सिर फट गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, करमही गांव निवासी जुगल किशोर मिश्र (68) और उमेश मिश्र के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था। आरोप है कि 13 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े चार बजे जुगल किशोर मिश्र अपने बेटे विष्णु सहाय मिश्र (28) के साथ खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर उमेश मिश्र के घर के घनश्याम, नवीन सहित सात लोग लोहे की रॉड व लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और दोनों पिता-पुत्र पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर खेत में गिर पड़े। सूचना पर डायल 112 पुलिस और हल्का सिपाही मौके पर पहुँचे। दोनों घायलों को सीएचसी चोरसंड भेजा गया, जहाँ से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद स्वस्थ होने पर पीड़ित वृद्ध जुगल किशोर मिश्र ने शनिवार को थाने में नामजद तहरीर दी। वहीं, घायल विष्णु सहाय मिश्र ने आरोप लगाया कि हल्का प्रभारी दरोगा उमेश चंद पांडेय मुकदमे में सुलह समझौता का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि दरोगा घटना के दूसरे दिन उनके घर भी पहुँचे थे, जिसकी शिकायत थानाध्यक्ष जफराबाद से की गई है। थानाध्यक्ष जफराबाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर उमेश मिश्र, नर्बदेश मिश्र, घनश्याम मिश्र, मीना मिश्र, खुशबू देवी, विनीत व नवीन मिश्र के खिलाफ धारदार हथियार से जानलेवा हमला सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दबिश दी जा रही है। सीओ सिटी ट्रेनी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बताया कि, घायल पक्ष के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। यदि हल्का प्रभारी पर लगाए गए आरोप सही पाए गए, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सुरेरी में स्वाती मिश्रा बनी एक दिन की सुरेरी थानाध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी-थाना परिसर में मिशन शक्ति अभियान के तहत जितेन्द्र रामराज पांडेय इंटर कॉलेज रामपुर की छात्रा क्षेत्र के भदखिन गांव निवासी स्वाती मिश्रा को एक दिन का थानाध्यक्ष बनाया गया। सोमवार को सुरेरी थाने में 10 वीं कक्षा की छात्रा ने एक दिन की थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली।

इस दौरान सर्वप्रथम थाना परिसर में गौ पूजन व बाबा गोरखनाथ का पुजा पाठ हुआ तत्पश्चात छात्रा ने थानाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठकर थाने में तैनात महिला सिपाही पुष्पा मौर्या से मिशन शक्ति व महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों और पुलिस की ड्यूटी का गहनता से अवलोकन करते हुए थाने का निरीक्षण किया और जनसमस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया को समझा। इस दौरान क्षेत्र के कई फरीयादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे जिसकी समस्या सुनकर सम्बंधित दरोगा व हल्का सिपाही को निस्तारण के लिये लिखा गया। कई महीनो से राईपुर गांव निवासी बेचन मिश्र व सभाजीत मिश्र के बीच चल रहे जमीनी विवाद को बात चीत के माध्यम से हल कराया गया। दश बजे से एक बजे तक थाने में सुनवाई के बाद एक दीन की थानाध्यक्ष बनी स्वाती मिश्रा क्षेत्र में स्थित बैंकों की चेकिंग की व क्षेत्र के हरिहर, भदखिन में स्थित इंटर कॉलेज में पहुंचकर मिशन शक्ति के तहत विद्यालय की छात्राओं को जागरूक की । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसी पहल से बेटियों में नेतृत्व व आत्मनिर्भर विकसित होने की भावना विकसित होती है। छात्रा स्वाती मिश्रा ने कहा कि यह उसके जीवन का प्रेरणादायी अनुभव रहा और अब वह आगे चलकर डाक्टर बनकर अपनी योगदान देना चाहती है। सुरेरी थाने के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि शासन के निर्देश पर मिशन शक्ति के तहत बेटियों में।आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता प्रदान करना चाहते हैं। इससे उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस दौरान विद्यालय के प्रबन्धक जितेंद्र कुमार पाण्डेय, बीरेंद्र मिश्र, संतोष मिश्र, राजन मिश्र, सत्य प्रकाश मिश्र, छोटू मिश्र, हर्ष मिश्र समस्त क्षेत्र के कई फरियादी व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

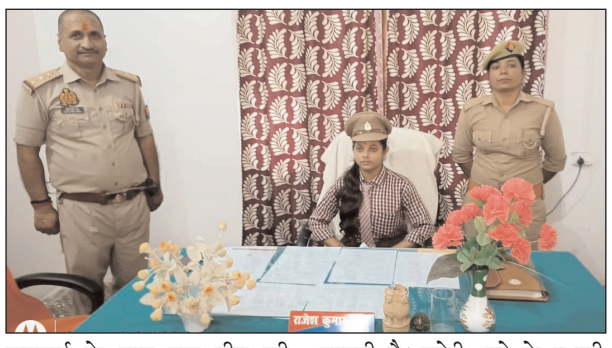

खेतासराय में कचरा प्रबंधन पर जागरूकता अभियान

सहयोग शिक्षण संस्थान ने लोगों को दी जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर पंचायत के वार्ड नंबर 2 डोभी में हानिकारक कचरे के प्रबंधन को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान सहयोग शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों को कचरा निस्तारण के सही तरीकों के बारे में जानकारी दी गई।

संस्थान की श्रीमती सीबा साहू ने लोगों को हरे, नीले और लाल-काले कूड़ेदानों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी कचरा सड़कों पर बाहर न फेंका जाए, क्योंकि यह स्वास्थ्य और वातावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। उन्होंने बताया कि दो तरह के कूड़ेदान उपलब्ध हैं। हरे रंग के कूड़ेदान में केवल रसोई और बगीचे से संबंधित गीला कचरा डालना चाहिए। वहीं, नीले रंग के कूड़ेदान में प्लास्टिक का सामान, कागज का कचरा, कांच, लोहे के टुकड़े और अन्य सूखा कचरा डाला जाना चाहिए। श्रीमती साहू ने नगरवासियों से अपील की कि वे नगर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। उनका उद्देश्य था कि नगर पंचायत स्वच्छ रहे और सभी निवासी स्वस्थ जीवन जी सकें। इस अवसर पर सीबी साहू, मनोज कुमार, वार्ड नंबर 2 के सभासद मोहम्मद खालिद, पत्रकार सोहराब खान, सुपरवाइजर यावर अली, फिरोज खान, राशिद खान, अकरम खान, राहुल, गुफरान अहमद और आजम खान सहित कई वार्ड निवासी उपस्थित रहे।

बिहार के व्यक्ति का संदिग्ध हालत में जौनपुर में मिला शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब तीन बजे थाने से लगभग 100 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू की।

पुलिस ने मृतक की जेब से एक बंद मोबाइल फोन, 15,425 रुपये नकद और कुछ विजिटिंग कार्ड बरामद किए। मोबाइल चार्ज करने के बाद मृतक की पहचान भदय शाह (45 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय नारायण शाह निवासी हाथमंडल, थाना बनमा इकहरी, जनपद सहरसा (बिहार) के रूप में हुई। मृतक के पुत्र नीतीश कुमार ने बताया कि उनके पिता 23 अक्टूबर को आनंद विहार, दिल्ली से ट्रेन द्वारा घर लौट रहे थे। लेकिन घर न पहुंचने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान जानकारी मिली कि भदय शाह को 24 अक्टूबर को दिन में 11 बजे जफराबाद रेलवे स्टेशन और दोपहर 3 बजे दीवानी न्यायालय जौनपुर में देखा गया था। घटना की सूचना मिलने पर परिजन बिहार से जफराबाद के लिए रवाना हो चुके हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शुभम यादव ने गोल्ड मेडल जीत के बढ़ाया जौनपुर का मान

हर तरफ से मिल रही है बधाई, लोगों नें एक दूसरे को खिलाया मिठाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत शुभम यादव और बाल केसरी ने डॉ. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल यूपी स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीता गोल्ड मेडल इस मेडल के बाद इनका सिलेक्शन सीनियर नेशनल में हुआ है, शुभम ने बताया कि इस टूनार्मेंट में प्रदेश के सभी जिलों से कई खिलाड़ी भाग लिए थे पुरुष युगल में शीर्ष वरीय महराजगंज के बालकेसरी यादव और जौनपुर के शुभम यादव की जोड़ी ने दूसरी जोड़ी राजन यादव व गोरखपुर के तुषार गगनेजा को हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कीया। शुभम अपनी जीत का श्रेय प्रो बैडमिंटन सेंटर को दे रहे हैं जहां पर वो अपनी खेल की प्रेक्टिस कर रहे हैं विधायक और सांसद ने भी शुभम यादव को फोन करके हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी शुभम ने जौनपुर के इंग्लिश क्लब के सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया जहां पर वह खेलने आते हैं, शुभम यादव नें कहा कि सीनियर नेशनल में अच्छा प्रदर्शन करने पर नेशनल गेम कॉमनवेल्थ और ओलंपिक जैसे बड़े-बड़े खेलों में भाग लेने का मौका मिलेगा। चैंपियनशिप के समापन पर बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी की कुलाधिपति अलका दास और बीबीडी ग्रुप की उपाध्यक्ष देवांशी दास और सोनाक्षी दास ने विजेताओं को ट्रॉफी व पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया और इनके शुभ चिंतकों द्वारा मिष्ठान खिला कर शुभम यादव को जीत की बधाई दी जा रही है।

भाजपा के मीडिया प्रभारी की थाने पर नहीं हो रही सुनवाई

दबंग जान से मारने को दे रहे है धमकी, पुलिस लीपा पोती में मगसूद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गजना गांव में जमीनी विवाद को लेकर कबरुद्दीन पुर जैसी घटना हो सकती है यह संभावना जाहिर की जा रही है।

कबरुद्दीन पुर जैसी घटना होने की लगती है संभावना

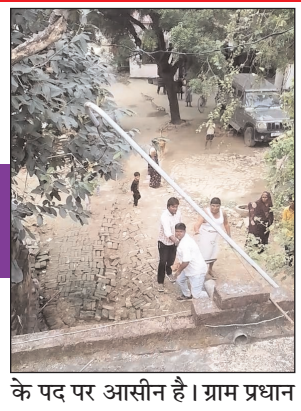

गजना गांव निवासी अजीत यादव पुत्र श्रीनाथ यादव जे भाजपा सरकार में मिडिया प्रभारी के पद पर आसीन है। ग्राम प्रधान द्वारा पुलिया कार्य अजीत यादव के घर के पास कराया गया है। लेकिन गांव के दबंग द्वारा दबाव बनाकर पुलिया हटाने को लेकर तु तु मै मै होने बात बिगड़ जाने पर जाने से मारने की धमकी दिया गया। भाजपा के मिडिया प्रभारी द्वारा थाने पर तहरीर दिया गया लेकिन पुलिस द्वारा दबंगो पर कार्यवाही न करके लीपा पोती में लगी हुई है जब कबरुद्दीन पुर जैसी घटना हो जायेगी तब पुलिस की नींद खुल सकती है।

बदलापुर महोत्सव को लेकर बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में बदलापुर महोत्सव के आयोजन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज, बदलापुर में संपन्न हुई।

बैठक में रमेश ने बताया कि इस वर्ष बदलापुर महोत्सव में खेल स्पर्धा का भी विशेष आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्रीड़ा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक तैयारियाँ समय से पूर्ण कर ली जाएँ, जिससे प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन हो सके।

खेल, सांस्कृतिक एवं कृषि गतिविधियों की तैयारियों पर जोर

विधायक ने कृषि विभाग, उद्यान विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि महोत्सव में अपने अपने विभाग से संबंधित स्टॉल लगाए, जहाँ लाभार्थियों का पंजीकरण कराया जाए तथा उन्हें विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हे लाभान्वित किया जाए।

उन्होंने बताया कि परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों की छात्राएँ, और स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल किट की व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होने जिला समाज कल्याण अधिकारी से सामूहिक विवाह के संबंध में प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिये गये कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएँ तथा सत्यापन भी ससमय कर लिया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान विभिन्न विभागों से अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों, समूह की महिलाओं को सम्मानित, श्रमिकों को चेक वितरण आदि भी किया जाएगा। महोत्सव के दौरान यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं अग्निशमन संबंधी प्रबंधों के लिए भी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। विधायक ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे बदलापुर महोत्सव को सफल, आकर्षक और यादगार बनाया जा सके।

जौनपुर में मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से फ्री मेडिकल कैम्प का हुआ आयोजन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम-भटौली जिला-जौनपुर में ग्रामीण मेले के शुभ अवसर पर मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तरफ से एक फ्री मेडिकल कैम्प लगाया गया, जिसमें मेले में उपस्थित सभी महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग ने फ्री मेडिकल कैंप का लाभ उठाया। यह संस्था विगत कई वर्षो से जाति भावना से ऊपर उठकर समय समय पर मरीजों और जरूरत मंद की यथा सम्भव सेवा करती रही है। फ्री मेडिकल कैम्प में स्थानीय लोगों के अलावा मेले में आए हुए पास पड़ोस के गांव के आए हुए लोगों ने भी फ्री मेडिकल सलाह के अलावा निशुल्क औषधि प्राप्त किया। निशुल्क शिविर में शाहगंज के प्रसिद्ध वेलकम डेंटल क्लीनिक के मुख्य चिकित्सक एवं समाज सेवी डॉ. मोहम्मद तय्यब अंसारी, जीवन रक्षा हॉस्पिटल चिरैया मोड के डॉ. सूर्या कांत पाठक, राना क्लीनिक बड़ागांव के डॉ.राम दुलार भारती, फैमली केयर क्लीनिक सरायमोहीउद्दीनपुर के समाज सेवी एवं डॉ.विवेक कुमार तथा डॉ. राहुल राज शाहगंज पूरे समय उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष एवं संस्थापक हुसैन हैदर खान,भटौली के ग्राम प्रधान मनबोध, भटौली ग्राम के कोटेदार अशर्फी लाल, ग्राम के वकील राम किशुन, हुसैन काजिम जौनपुरी , मोहम्मद नईम, भटौली ग्राम के निरंजन ,बसंत कुमार, संत निर्मल दास,अमित कुमार जामुनिय, राम बहादुर, मौलाना एजाज मोहसिन खान साहब,मो. शाहिद, आदि मौजूद रहे।

मालवणी में भाजपा जनसंपर्क कार्यालय का पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया उद्घाटन

मालाड, मुंबई। भाजपा मालवणी मंडल, वार्ड क्रमांक-33 के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने रिबिन काटकर किया। राठोडी विलेज, मार्वे रोड, मालवणी , मालाड (पश्चिम) में सम्पन्न हुए उद्घाटन समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता आर यू सिंह सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे।

बाइक सवार बदमाशों ने दूध वाले की दिनदहाड़े गोली मारकर की हत्या

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मंझरिया गांव के पास सोमवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने दूध बेचने जा रहे व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मुबारकपुर थाना क्षेत्र के पियरोपुर गांव निवासी पतिराज यादव उर्फ टिल्लू (52) दूध बेचने का काम करते थे। सोमवार को वह रोज की तरह दूध लेकर गांवों में बेचने जा रहे थे। करीब 11.20 बजे जब वह मंझरिया गांव के पास पहुंचे, तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने से पतिराज यादव लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची मुबारकपुर थाने की पुलिस व आलाधिकारी जांच में जुट गए। घटना की खबर लगते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पुलिस बदमाशों की तलाश में आसपास के क्षेत्रों में छानबीन कर रही है।

अजगर ने नीलगाय के बच्चे को निगला

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उतरांव थाना क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर गांव के समीप नाले के पास धान के खेत में रविवार सुबह एक अजगर नीलगाय के बच्चे को निगल गया। गांव के लोग धान के खेत में पहुंचे तो देखा कि अजगर नीलगाय के बच्चे को आधा निगला चुका था। गांव के लोग इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने 112 नंबर पर सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर अजगर को पकड़कर कब्जे में ले लिया। वन विभाग के अल्पेश कुमार, सुरेश कुमार, मनोज कुमार ने बताया कि यह अजगर काफी विशाल और बड़ा है। यह नीलगाय के बच्चे को निगल गया। नीलगाय के बच्चे की मौत हो गई। टीम ने बताया कि अजगर को दूर जंगल में छोड़ दिया जाएगा। गांव के लाइमैन महेंद्र कुमार यादव ने बताया कि यह अजगर धान के खेत में कई दिनों से दिखाई दे रहा था।

मारपीट में घायल किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के आवास विकास तीन में मोबाइल चोरी करने के बाद रकम के बंटवारे को लेकर हुई मारपीट की घटना में घायल किशोर की रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया। आवास विकास झोपड़पट्टी में रहने वाली सोमवती ने बताया कि उनके तीन बच्चे अरुण, आरती और ईशू गौतम (14) हैं। ईशू मसवानपुर स्थित एक चट्टा संचालक के पास बीते तीन साल से काम कर रहा था। वहां उसके साथ अन्य चार बच्चे काम करते थे। आरोप है कि करवाचौथ से दो दिन पहले चट्टा संचालक के कहने पर ईशू व उसके साथी ने इलाके में रहने वाले अमन का मोबाइल चोरी कर लिया था। आरोप है कि ईशू के दोस्त ने मोबाइल बेंच दिया था, जिसके पैसे ईशू मांग रहा था। इसको लेकर दोस्तों ने ईशू की डंडों से पिटाई कर दी थी। आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने के कारण वह लोग उसका घर पर ही इलाज कर रहे थे। रविवार रात ईशू की घर पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। कल्याणपुर इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है।

डीडीयू में संविदा शिक्षकों की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा नौ नवंबर को

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संविदा शिक्षकों की नियुक्ति के लिए परीक्षा अब नौ नवंबर को होगी। बताया जा रहा है कि यह परीक्षा पहले दो नवंबर को प्रस्तावित थी। परिसर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव को देखते हुए इसकी तिथि में बदलाव किया गया है। डीडीयू में विभिन्न विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा) की नियुक्ति के लिए जनवरी में विज्ञापन निकला था। उसमें से 11 विषयों में चयन की प्रक्रिया अब पूरी होने जा रही है। फामेर्सी, कृषि, विधि, कंप्यूटर साइंस, बीसीए व बैंकिंग एंड इंश्योरेंस पाठ्यक्रमों में ये नियुक्तियां की जाएंगी। इन कोर्स में शिक्षकों की नियुक्ति के बाद स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में शिक्षण व्यवस्था भी दुरुस्त हो जाएगी। इन विषयों की कुल 36 सीटों के लिए 174 अभ्यर्थियों के आवेदन अर्ह पाए गए हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि संविदा शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रामनगरी में बड़े वाहनों का प्रवेश बंद

अयोध्या(उत्तरशक्ति)। 14 कोसी परिक्रमा के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने 29 अक्तूबर की रात 10 बजे से 31 अक्तूबर तक रामनगरी की सीमा में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस अवधि में 13 प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया है। सुल्तानपुर की ओर से आने वाले वाहन कूड़ेभार से, रायबरेली की दिशा से आने वाले हलियापुर से, जबकि आजमगढ़ और अंबेडकर नगर की ओर से आने वाले वाहन दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किए जाएंगे। इसी तरह बाराबंकी से आने वाले वाहन रामसनेहीघाटझहैदरगढ़ होकर जाएंगे, जबकि बस्ती और गोंडा की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर और नवाबगंज के रास्ते से डायवर्ट किया जाएगा।

गोरखपुर, संतकबीरनगर और बलरामपुर से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी, कलवारी, टांडा, अकबरपुर, दोस्तपुर मार्ग से एक्सप्रेस-वे पर भेजा जाएगा। बहराइच, गोंडा, उतरौला, डुमरियागंज और श्रावस्ती से लखनऊ की ओर जाने वाले वाहन टिकोरा मोड़झचहलरी घाटझसिधौलीझसीतापुर मार्ग से होकर जाएंगे। सहादतगंज बाईपास से हनुमानगढ़ी के सामने से होकर परिक्रमा मार्ग गुजरने के कारण यहां से शहर की ओर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहनों को देवकाली बाईपास से डायवर्ट किया जाएगा। शांति चौक और मकबरा तिराहा बैरियर से भी शहर की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। वाहन देवकाली अंडरपास से अपने गंतव्य तक जाएंगे।

लकड़मंडी चौराहा, दुगार्गंज माझा, और साकेत पेट्रोल पंप से पुराने सरयू पुल की ओर जाने वाले सभी वाहनों पर रोक रहेगी। इन क्षेत्रों से वाहनों को लोलपुर (गोंडा) बाईपास की ओर मोड़ा जाएगा। हनुमान गुफा चौराहा से लता मंगेशकर चौक और वासुदेव घाट तिराहा की दिशा में वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। गांधी आश्रम बैरियर से लता मंगेशकर चौक की ओर वाहन नहीं जा पाएंगे। बालू घाट (येलो जोन) बैरियर और आसिफ बाग चौराहा से रामघाट चौराहा व साथी तिराहा की दिशा में वाहन नहीं जा सकेंगे। बूथ नं-4 ओवरब्रिज सर्विस लेन, जनौरा अंडरपास सर्विस लेन, तथा कूढ़ाकेशवपुर चौराहा बैरियर पर भी सर्विस लेन से वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग कूड़ाकेशवपुर तिराहे के बगल और यश पेपर मिल परिसर में की जाएगी।

आचारी सगरा तिराहा, सरेठी तिराहा, अग्रसेन तिराहा, गुदड़ी चौराहा, उदया चौराहा, गैस गोदाम तिराहा, कटरा तिराहा और राजघाट बंधा तिराहा परिक्रमा मार्ग से जुड़े होने के कारण वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। राजघाट बंधे पर श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। एसपी यातायात एपी सिंह ने बताया कि परिक्रमा के दौरान सभी प्रवेश मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल और ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की जाएगी।

भोजपुरी विकास मंच व छठ पूजा समिति द्वारा हुआ छठ महोत्सव का भव्य आयोजन

गायक कलाकारों ने उपस्थित जन समूह को किया मंत्र मुग्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भोजपुरी विकास मंच एवं छठ पूजा समिति द्वारा शहर के भामा शाह नमामि गंगे गोमती घाट पर आयोजित दो दिवसीय छठ महोत्सव में सोमवार की शाम गायक कलाकारों के छठ गीतों से गोमती घाट गूंज उठा। छठ महोत्सव में अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान गुरुवार की शाम कलाकारों ने छठ और धार्मिक गीतों की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह, जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ, समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी व समाजसेवी अनुराग सिंह, ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर छठ महोत्सव का शुभारंभ किया तत्पश्चात देवी गीत गायक अवधेश पाठक, विवेक मिश्रा वरदान ,गुलाब राही, विकास रागी, राजेश तिवारी रत्न, राहुल पाठक और सविता पाठक, चिंटू सरगम, सविता गुंजन ने छठ गीतों की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को भाव विभोर कर दिया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने कहा सूयोर्पासना का यह चार दिवसीय पर्व के चलते वातावरण पूर्णतः धार्मिक रंग में रंग गया है जो आदिकाल से ही चला आ रहा है ।इसके पूर्व सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के अतिरिक्त जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ , समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह व लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य आर एन त्रिपाठी, युवा समाजसेवी अनुराग सिंह ने कलाकारों को माल्यार्पण के पश्चात स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भोजपुरी विकास मंच की ओर से कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार सिंह, स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता, सह संयोजक राहुल सिंह, विवेक मौर्य, भूपेंद्र सिंह, सुधांशु सिंह,संजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, डॉ नीलमणि सिंह, अजय सिंह मास्टर, राजकुमार रघुवंशी, आदित्य निकुंभ, आलोक गुप्ता, उर्वशी सिंह, बीना सिंह, शशिबाला सिंह आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राहुल राही, विवेक मिश्र वरदान, अवधेश पाठक, आल्हा गायिका कुसुम लता , श्वेता-प्रियांशी , राहुल चंद्रा, आदि ने छठ गीतों की शानदार प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । बांसुरी वादक परेश सिन्हा ने शानदार प्रस्तुति कर लोगों की वाह वाही बटोरी ।सभी कलाकारों और आयोजन मंडल के सदस्यों गौतम गुप्ता, राहुल सिंह , मनीष राय, राजू सिंह मास्टर, गोविंदा मिश्रा, नवीन सिंह, प्रतीक सिंह को अतिथियों द्वारा और भोजपुरी विकास मंच की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी पत्रकार आनंद सिंह,वंदेश सिंह महोत्सव के संचालक दीपक सिंह पत्रकार को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहयोगी सद्भावना मंच के सदस्य शरद शुक्ला,राजकुमार रघुवंशी,सुरेश अस्थाना ,डा. नीलमणि सिंह ,अजय सिंह ,आलोक गुप्ता ,रोहित सिंह भारद्वाज,संजय सिंह ,अनिमेष सिंह,राजवीर दुर्गवंशी,शरद शुक्ला,वीरेंद्र सिंह ,निखिल सिंह ,शुभम तिवारी ,रजत सिंह ,आदित्य सिंह निकुम्भ,विनय सिंह ,अशोक कुमार ,आशीष सिंह दुर्गवंशी,प्रमोद सिंह आदि उपस्थित रहे ।

बादलों की ओट में व्रतियों ने दी डूबते सूर्य को अर्घ, उमड़ा आस्था का सागर

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। गंगा हो या वरुणा या कुंड-तालाब, हर तट पर सोमवार की संध्या भक्ति और आस्था का अप्रतिम संगम थी। आकाश में बादलों की परतें थीं, गंगा का जल ठंडा था, और वायुमंडल में हल्की ठंडक के साथ धुंधलका उतर रहा था, मगर श्रद्धा की लौ किसी भी बादल से मंद नहीं पड़ी। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन काशी में आस्था, श्रद्धा और लोकगीतों की गूंज से पूरा वातावरण दिव्य बन गया। छठ व्रतियों ने अपनी परंपरा और आस्था का निर्वाह करते हुए घड़ी की सुई के अनुसार सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। हर घाट पर एक ही दृश्य, सिर पर दौरी और सूप उठाए महिलाएं, हाथ जोड़े खड़े परिजन, और आसमान की ओर टिकी प्रतीक्षा भरी निगाहें। शाम चार बजे से ही बनारस के घाटों, तालाबों व कुंडो पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। कहीं सूपों में फल, ठेकुआ, गन्ना और कच्चा नारियल सजाया गया, तो कहीं दूध और गंगाजल से भरे कलशों की पंक्तियां दिखीं। जैसे-जैसे अर्घ्य का समय नजदीक आता गया, वैसे-वैसे घाटों पर जगह कम पड़ने लगी। आकाश में बादल छाए थे, सूर्य की अंतिम किरणें झिलमिला कर कभी गंगा की लहरों पर बिखरतीं तो कभी ओझल हो जातीं। फिर भी श्रद्धालुओं ने निर्धारित घड़ी का ध्यान रखते हुए संकल्प निभाया। घुटने भर पानी में खड़ी व्रतिनें, सूप में दीप जलाकर, दूध की धार के साथ भगवान भास्कर को नमन करती रहीं। गोधूलि बेला में जब अस्ताचलगामी सूर्य ने धुंधलके के पार झांका, तब पूरे घाट हर-हर महादेव और जय छठी मइया के उद्घोष से गूंज उठ, अस्सी, दशाश्वमेध, पंचगंगा, राजघाट, नमो घाट, प्रह्लाद घाट, लाल बहादुर शास्त्री घाट सहित काशी के हर घाट पर लोकश्रद्धा उमड़ आई थी। बच्चों से लेकर वृद्धों तक, हर कोई इस क्षण का साक्षी बनने को आतुर था। सिर पर दौरी और पूजन सामग्री से भरे सूप लिए महिलाएं छठ के गीत गातीं, रखते हुए पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। व्रतधारिणियों ने सिर पर पूजन की टोकरी रखकर गोमती तट तक पहुंचकर सूर्यदेव की आराधना की। कई स्थानों पर लोगों ने भजन कीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी कीं। घाटों पर नगर पालिका और प्रशासन की ओर से साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस और होमगार्ड के जवान लगातार गश्त कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में लगे रहे। नगर के विभिन्न मोहल्लों से महिलाएं परिवार और बच्चों के साथ गीत गाते हुए घाटों की ओर रुख करती रहीं। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए जैसे पारंपरिक गीतों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण छठमय हो गया। छठ पूजा के पावन अवसर पर गोमती तटों का दृश्य ऐसा था मानो धरती पर उतर आई हो आस्था की गंगा। प्रसाद और ठेकुआ से सजे डलिया थामे घाटों की ओर बढ़ती रहीं। कई व्रती दंडवत प्रणाम करते हुए घाट पहुंचे। शाम चार बजे से ही घुटने भर पानी में खड़े होकर महिलाओं ने दूध, गंगाजल और पुष्प से सूर्यदेव को अर्घ्य देना शुरू किया। शाम ढलते-ढलते घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लाखों में पहुंच गई। दीपों की लौ, झिलमिल लाइटों की चमक और मधुर गीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को देवमय बना दिया। जगह-जगह समितियों द्वारा सजावट की गई थी, कहीं दीयों से बना सूर्य का प्रतिरूप, तो कहीं फूलों से सजी प्रत्यूषा देवी की प्रतिमा लोगों को आकर्षित कर रही थी। घाटों पर झिलमिल लाइटें, घी के दीए और फूलों की सजावट ने वातावरण को देवत्व से भर दिया था। कई व्रतिनें दंडवत प्रणाम करते हुए घाट तक पहुंचीं। उनके साथ परिवारजन, पड़ोसी और मित्र भी श्रद्धा के स्वर में शामिल थे।

संगम तट पर उमड़ा आस्था जनसैलाब

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। व्रती महिलाओं ने परिवार के सदस्यों के साथ संगम सहित अन्य घाटों पर पहुंचकर विधि विधान से अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार के मंगलमय जीवन की कामना की। सोमवार को व्रतियों ने संगम नोज, दशवामेध, बलुआघाट, शिवकुटी, अरैल, फाफामऊ सहित अन्य घाटों पर अस्तालच सूर्य को अर्घ्य दिया। वेदी ने ईख रखकर विधि विधान से अर्घ्य दिया। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त रहा। एक दिन पहले ही श्रद्धालुओं ने सूयोर्पासना के लिए नदियों के तट पर वेदी तैयार कर ली थी। सूर्य के अस्त होने के साथ ही पूजन शुरू हो गया। अस्ताचल सूर्य को जल, फल, सिंघाड़ा आदि अर्पित किया गया। छठ के गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। महिलाएं अपने परिवार के साथ बाजे गाजे के साथ संगम तट पर पहुंचीं। डाला छठ पर्व पर सोमवार की शाम झूंसी के गंगा घाटों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। झूंसी के तीन घटों पर डाला छठ का पूजन किया गया। इससे पहले छठ महापर्व के दूसरे दिन रविवार को सिद्धयोग व रवियोग के युग्म संयोग में खरना के पूजा के बाद व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू किया था। खीर और रोटी का महाप्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती दो दिनों के लिए भगवान भास्कर के भक्ति में लीन हो गए हैं। सोमवार को कार्तिक शुक्ल पष्ठी को शुभकारी सर्वार्थसिद्धि योग व रवियोग में अस्ताचलगामी सूर्य देवता को पहला अर्घ्य दिया गया। शाम को अर्थ का शुभ मुहूर्त शाम पांच बजे के बाद था। मंगलवार को धृति योग व रवियोग में उदीयमान सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य देकर व्रती महापर्व का समापन करेंगी।

प्रातःकालीन अर्घ्य का शुभ समय छह बजे के बाद से है। झूंसी में छतनाग गंगा घाट, नागेश्वर और सोहम आश्रम के सामने गंगा घाट सोमवार को व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। गंगा घाटों पर दोपहर तकरीबन ढाई बजे से ही व्रती महिलाएं और उनके परिजन पूजन के लिए जुटने लगे थे। तकरीबन एक घंटे बाद शाम चार बजे इन गंगा घाटों पर तिल रखने की भी जगह नहीं थी। व्रती महिलाओं ने कमर भारी पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। झूंसी के छठ घाटों के आसपास रंग-बिरंगी रोशनी भी लगाई गई थी। गंगा नदी के किनारे बैरिकेडिंग भी की गई थी। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल को भी तैनात किया गया था। ग्रामीण अंचलों ने भी डाला छठ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सोमवार को आस्थाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कोरांव के छठ घाटों पर आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। दउरा सिर पर उठा छठी मैया के जयकारे लगाते हुए घाटों पर पहुंचे। वहीं केलवा के पात पर उगलेन सूरजमल जैसी मनोहर गीतों से गुंजायमान होते रहे छठ घाट। महिलाओं ने श्रद्धा के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर विधि विधान से छठी मैया की पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पुत्र और पति के दीघार्यु होने के लिए बरदान मांगा। देश कल्याण के लिए कामना की। नगर पंचायत कोरांव समेत तहसील क्षेत्र के कई गांवों में छठ महापर्व की धूम देखी गई। कोरांव बाजार के अटल सरोवर, गांधी चौराहा नहर समेत सभी घाटों को भव्य तरीके से सजाया गया था। घाटों के चारों तरफ पंडाल, लाउडस्पीकर और रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया था।

गोमती के घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने उमड़ीं महिलाएं

छठ महापर्व पर गोपी घाट, हनुमान घाट और विषर्जन घाट पर गूंजे छठ मैया के गीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आस्था, श्रद्धा और सूयोर्पासना के महापर्व छठ पर सोमवार को जौनपुर की गोमती नदी के घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शहर के प्रमुख घाट गोपी घाट, हनुमान घाट, विषर्जन घाट समेत अन्य तटों पर हजारों श्रद्धालु सूर्य देव को अर्घ्य देने पहुंचे। शाम होते-होते घाटों पर छठ मैया के भजन और लोकगीतों की गूंज के बीच महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। गोमती की लहरों पर तैरते दीपकों और नारियल, फल, सिंघाड़ा, गुड़-आटा के अर्घ्य से पूरा माहौल भक्तिमय बन गया। छठव्रतियों ने निर्जला उपवास

भारत विकास परिषद शौर्य द्वारा 'भारत को जानो प्रतियोगिता' का आयोजन

प्रतियोगिता में या तो व्यक्ति जीतता है या सीखता : एसपी सिटी

'भारत को जानो' नामक पुस्तक एक ज्ञानवर्धन संकलन : बीएसए जौनपुर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय होली चाइल्ड एकेडमी में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉ. गोरखनाथ पटेल एवं संस्थान के प्रबंधक डॉ. अशोक सिंह के हाथों भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। पूर्व महिला संयोजिका ज्योति श्रीवास्तव द्वारा वंदेमातरम गीत गाया गया। इस कार्यक्रम में सम्पूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन प्रकल्प प्रमुख नित्यानंद पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया जिसमें सर्वप्रथम जनपद के 28 विद्यालयों के कुल 5800 छात्रों में से चयनित 237 छात्रों की लिखित परीक्षा ली गई और जिसमें वरिष्ठ बच्चों में 20 छात्रा और कनिष्ठ वर्ग के बच्चों में 18 छात्र का चयन मंचीय कार्यक्रम में क्विज परीक्षा के लिए किया गया।

क्विज परीक्षा को संचालित करने में सचिव अवधेश गिरी, सुनील सिंह, कोषाध्यक्ष जनार्दन पाण्डेय एवं शाखा प्रबंधक जयशंकर सिंह ने सहयोग किया। रैपिड राउंड एवं बजर राउंड के पश्चात वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग में 3-3 टीमों का चयन हुआ जिसमें अंत में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार होली चाइल्ड एकेडमी के यश श्रीवास्तव एवं गुंजा कलमाली को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार तिलकधारी सिंह इण्टर कॉलेज के आनंद यादव एवं सर्वेश यादव को मिला। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार मां दुर्गा जी सीनियर सेकेंड्री स्कूल सिद्दीकपुर जौनपुर के जीत यादव एवं शिवम यादव ने प्राप्त किया तथा द्वितीय पुरस्कार सन जांस पब्लिक स्कूल के प्राची यादव एवं श्रुति पाल को प्राप्त हुआ। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि 'भारत को जानो' कार्यक्रम के अंतर्गत विगत 3 वर्षों से भाविप शौर्य ने सबसे अधिक छात्रों की परीक्षा कराने का रिकॉर्ड बनाया है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने इतने भव्य कार्यक्रम को आयोजित करने एवं इतनी बड़ी संख्या में परीक्षा कराकर बच्चों के हृदय में राष्ट्रभक्ति जगाने के इस प्रयास के लिए शौर्य परिवार को बधाई दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि प्रतिस्पर्धा में सदैव कोई जीतता है तो कोई सीखता है, इसलिए व्यक्ति को निराश नहीं होना चाहिए बल्कि निरंतरता के साथ परिश्रम करते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'भारत को जानो' नामक यह पुस्तक जिसमें भारतीय संस्कृति, दर्शन शास्त्र, इतिहास, भूगोल और सामान्य ज्ञान का अद्भुत संकलन है, जो भारत को पूरी तरह से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. मनोज मिश्र ने कहा कि आज के परिवेश में पढ़ना भी एक चुनौती बन गई है। अतः इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी बच्चे जिन्होंने इस पुस्तक को पढ़कर तैयारी की है उन सभी को शुभाशीष है। विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज वत्स ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए शौर्य परिवार को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक सिंह ने कहा कि कहीं न कहीं समाज की जागृति में हम शिक्षकों से भी जो प्रयास छूट जा रहे हैं उसको पूरा करने का कार्य संस्थाध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित विशिष्ट अतिथि नगर मजिस्ट्रेट जौनपुर इंद्रनंदन सिंह के द्वारा विजयी छात्रों को बधाई देते हुए पुरस्कृत किया गया, जिसमें कार्यक्रम संयोजक डॉ. विकास यादव, प्रमोद मौर्या, सहसंयोजक अनुभव मिश्रा, रंजीत सिंह सोनू द्वारा विजयी छात्रों को वरिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपए की धनराशि, द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपए, कनिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार 2500 एवं द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपए दिया गया। सभी विजयी छात्रों को शील्ड एवं समस्त प्रतिभागी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देने का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के सहकोषाध्यक्ष अतुल मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. शैलेश सिंह, अतुल जायसवाल, नीरज श्रीवास्तव, अमित पाण्डेय, डॉ. गिरीश सिंह, पंकज सिंह, संदीप चौधरी, डॉ. राजेश, अरविंद गिरी, राय साहब शर्मा, राहुल पाण्डेय, रमेश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रमोद सैनी, कंचन पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय, साधना जायसवाल, सुधा पाण्डेय, ज्योति श्रीवास्तव, पिंकी पाण्डेय इत्यादि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।